

# भारत के राजपत्र

## The Gazette of India

असाम प्राप्ति  
EXTRAORDINARY

भाग I—पांड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से घोषित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 260।  
No. 260।

नई दिल्ली, भारत, विक्रम 11, 2010/बहुद 20, 1932  
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 11, 2010/BHADRA 20, 1932

स्वास्थ्य एवं परिवार काल्याण मंड़ल बय

(स्वास्थ्य एवं परिवार काल्याण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 2010

सं. ए-12011/3/2010/सीएसएम-1.—मंड़लयों/संघीयित विभागों, दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली भवासालिक बी सहचरित से निम्नलिखित सेवाओं/पदों में विविधताएँ जो भाले के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 2011 में आशेजित की जाने वाली एक प्रतियोगिता परीक्षा सम्बलित विकिस्ता सेवा परीक्षा के नियम सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (i) रेलवे में सहायक मंडल विकिस्ता अधिकारी।
- (ii) भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक विकिस्ता अधिकारी के पद।
- (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में कनिष्ठ वेतनमान पद।
- (iv) दिल्ली नगर निगम में विकिस्ता अधिकारी।
- (v) नई दिल्ली भवासालिकों परिषद् में सामान्य उद्यूटी विकिस्ता अधिकारी।

1. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा संविद्या-I में निर्धारित किए गए नियमों के अनुसार आवेदित की जाएगी।

परीक्षा की तारीख (तारीखें) और स्थान आयोग द्वारा नियम किए जायेंगे।

2. उम्मीदवार उपयुक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक अथवा एक से अधिक में भाग ले सकते हैं। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर सके उन्हें

उन्होंने विस्तृत आवेदन प्रक्रम में उन सेवाओं/पदों को स्वयं रूप से विनिर्दिष्ट करना होता विषय के लिए ये व्यवस्था इतने में विवर करने के उद्देश्य हो। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि ये विवरों व्यवस्था उठाने दे सकते हैं कि विवाह व्यवस्था समय उनकी व्यवस्था पर उनके रैक के अनुसार उपरित विवर किया जा सके।

विवेचन इतने दें : (i) रेलवे में सहायक मंडल विकिस्ता अधिकारी के पद को इन्होंने उम्मीदवारों जो भी उन्होंने विस्तृत आवेदन इतने में रेलवे के जोन व्यवस्था व्यवस्था क्रम में देख होता। विविध रेलवे जोनों में उसका आवंटन करते समय इन व्यवस्थाओं को जिला में रखा जायेगा लेकिन उसका यह अर्थ नहीं है कि उम्मीदवार को जिला इन रेलवे जोनों में से केवल एक ही आवंटित किया जायेगा। ऐसी यह सेवा सारे देश के लिए है इसलिए उम्मीदवार को भारतीय रैक के किसी भी जोन में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

(ii) उम्मीदवार द्वारा अपने विस्तृत आवेदन प्रक्रम में पहले से ही गई व्यवस्थाओं को उद्योग/व्यवस्था के किसी भी अनुरोध को आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

3. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भी जोन व्यवस्था विविधियों की संख्या आयोग द्वारा जारी जोटिस में विविदिष्ट की जायेगी।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य विवाही श्रेणियों जैसा शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए सरकार द्वारा नियम की गई विविधताओं के अनुसार आरक्षण किया जायेगा।

4. अप्रता की जाती :

(क) स्वास्थ्यवाल

उम्मीदवार को या तो :

(1) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(2) नेपाल की प्रजा, या

(3) भूतान की प्रजा, या

(4) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप में रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(5) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में अस्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देशों कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जार्बिया, मलाबी, जेरे और इथोपिया और वियतनाम से आया हो :

परन्तु (2), (3), (4) और (5) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए; परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है; परन्तु उसे नियुक्त प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा ।

5. (क) आयु-सीमा : इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार की आयु पहली जनवरी, 2011 तक 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी, 1979 के पहले का नहीं होना चाहिए ।

(ख) ऊपरी आयु-सीमा में निम्न प्रकार छूट प्राप्त है :

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के लिए पात्र हैं;
- (3) ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 1 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू और कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (4) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी अन्य देश के साथ संघर्ष में अथवा अंशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए हों तथा उसके परिणामस्वरूप निरुक्त हुए हों;
- (5) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों और आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी, 2011 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपगंता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर, अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 2011 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(6) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम पांच वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के पांच वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पहली जनवरी, 2011 तक पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल पांच वर्ष से आगे बढ़ाया गया है तथा जिसके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होगा कि सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन हो जाने पर नियुक्त प्रस्ताव प्राप्त होने की तरीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा;

- (7) दृष्टिहीन, मूँक-बधिर एवं विकलांग उम्मीदवारों के लिए अधिकतम 10 वर्षों तक;
- (8) रेलवे के कुछ तदर्थ डाक्टरों द्वारा दायर की गई रिट याचिकाओं (1986 की रिट याचिका सं. 845 के साथ और 1986 की ही रिट याचिका सं. 1165, 1328, 1619, 1735, 1275, 1457, 1087, 1034, 1263, 1294, 1327, 1349, 1370, 1353, 1400, 1451, 1504, 1564, 1650 तथा 1609 के साथ और 1987 की रिट याचिका सं. 370, 298 और 73 के साथ 1987 की रिट याचिका सं. 822, 875, 180 और 200 के साथ) के बारे में उच्चतम न्यायालय के दिनांक 24-9-1987 के आदेशों को ध्यान में रखते हुए, रेल मंत्रालय में 1-10-1984 के बाद तदर्थ आधार पर नियुक्त डाक्टरों की आय में रेलवे में तदर्थ डाक्टर के रूप में उनके द्वारा की गई सेवा की समयावधि तक ही छूट दी जाएगी । इस उपबंध के अंतर्गत ऊपरी आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले तदर्थ डाक्टरों की परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र रेल मंत्रालय के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए । रेल मंत्रालय यह प्रमाणित करेगा कि आवेदन उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार प्रस्तुत किए गए ।

टिप्पणी 1 :—अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ी वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 5(ख) के किन्हीं अन्य खण्डों, अर्थात्, जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले व्यक्तियों की श्रेणी के अंतर्गत आते हों, दोनों श्रेणियों के अंतर्गत दी जाने वाली संचयी आयु-सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे ।

टिप्पणी 2 :—भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यक्षासंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है ।

टिप्पणी 3 :—आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा के कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित वे भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन अधिकारी, जो स्वयं के अनुरोध पर सेवामुक्त हुए हैं, उन्हें उपर्युक्त नियम 5(ख), (5) तथा (6) के अधीन आयु-सीमा में छूट नहीं दी जाएगी ।

टिप्पणी 4 :—उपर्युक्त नियम 5(ख) (7) के अंतर्गत आयु में छूट के बाबजूद शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु पात्रता पर तभी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या

नियोक्ता प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार को आवंटित संबंधित सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयुसीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्दरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हो।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज़ जैसे जन्म कुण्डली, शपथ-पत्र, नाम नियम से और सेवा अभियोग से प्राप्त जन्म संबंधी उद्दरण तथा उन जैसे प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुच्छेद के इस माने में आये “मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा” प्रमाण-पत्र वाक्यांश के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

**टिप्पणी 1 :**—उम्मीदवारों को खाल में रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेंगे जो कि आवेदन-पत्र प्रसुत करने की तारीख की मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न स्वीकार किया जाएगा।

**टिप्पणी 2 :**—उम्मीदवार यह भी ज्ञान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और अचेन द्वारा उसे अपने अभियोग में दर्ज कर देने के बाद इसमें या आयोग की अन्य किसी परीक्षा में किसी भी आधार पर परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. परीक्षा में प्रवेश के लिए उम्मीदवार फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

**टिप्पणी 1 :**—यह उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा दे दी है या जिसने अभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पात्र हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा परन्तु उसका प्रवेश अनिवार्य रहेगा तथा फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने जीव लिखित में रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण, विस्तृत आवेदन-पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेगे, के साथ प्रस्तुत किया जायेगा।

**टिप्पणी 2 :**—उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिए वह भी शैक्षिक रूप से पात्र है जिन्हें अभी भी अनिवार्य रोटेरी इंटर्नशिप पूरी करनी है, किन्तु जब तक ही जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेरी इंटर्नशिप पूरी करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क अवश्य देना होगा।

8. सभी उम्मीदवारों को, जहाँ वे पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपकरणों में हों या इसी प्रकार के अन्य संघठनों में हों, या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपत्र/उम्मीदवार द्वारा सीधे भेजने चाहिए, अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा वहाँ देर से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा हो। जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थाई है/स्थित में काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट उपर्युक्त कर्मचारी हों, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर उन्नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं या लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको उपर्युक्त विविध (ऑफरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन दिया है।

9. उम्मीदवार को ज्ञान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने से परीक्षा में वैठने संबंधी अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा। उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. उम्मीदवार के आवेदन-पत्र और उसकी पात्रता को स्वीकार करने या परीक्षा में प्रवेश आदि के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह उपनियोगित कर लेना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए सभी शर्तों को पूरा करते हैं। आयोग ने जिस परीक्षा में उन्हें प्रवेश दिया है, उसके प्रत्येक स्तर, अर्थात्-लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/परीक्षण स्तर पर उनका प्रवेश यूनिट: अनन्तिम होगा। वशर्तों कि वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हों। यदि लिखित परीक्षा या साक्षात्कार/परीक्षण से ग्रुव-या जाद में किसी समय सत्यापन करने पर वह पात्रा जाता है कि वे किसी पात्रता शर्तों को पूरा नहीं करते हैं, तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

11. किसी भी उम्मीदवार को आयोग द्वारा जारी किए गए प्रवेश एम.बी.बी.एस. के बिना परीक्षा में नहीं वैठने दिया जाएगा।

- (1) किसी अकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना, या
- (4) जाली प्रलेखों या फेरबदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (5) अनुद्योग या असाधारण वाक्यांश देना या भूलभूल सूचना लियाकर रखना, या
- (6) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई अनियन्त्रिता का अनुसूचित साधन अपनाना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुसूचित वरीके अपनाना, या

(8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या

(9) परीक्षा भवन में किसी अन्य प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या

(11) परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या किसी अन्य प्रकार का इलैक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास रखे पाया गया हो, या

(12) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,

(13) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अधियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा, वह अयोग्य ठहराया जा सकता है और/या;

(ख) (1) आयोग द्वारा उनको किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;

(2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए;

(ग) स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक करवाई का पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जबकि :

(1) उम्मीदवार इस संबंध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर उसको न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा स्वयं अपने विवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तिगत

परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुशासित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद, परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर आयोग द्वारा उम्मीदवारों को योग्यताक्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। हात्पश्चात् आयोग अनारक्षित पदों पर उम्मीदवारों की अनुशंसा हेतु परीक्षा के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों के संदर्भ में अर्हक अंक (जो बाद में सामान्य अर्हक मानक कहलाएगा) निर्धारित करेगा। आरक्षित रिक्तियों पर अ.जा., अ.ज.जा. और अ.पि.वा. आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों की अनुशासित करने के उद्देश्य से परीक्षा के आधार पर इन प्रत्येक वर्गों के लिए भरी जाने वाली आरक्षित रिक्तियों के संदर्भ में आयोग अर्हक मानक में छूट दे सकता है।

वर्तमान कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवार जिन्होंने परीक्षा के किसी स्तर पर प्राप्त या चयन मानदंड में किसी भी प्रकार की रियायत या छूट का उपयोग नहीं किया है तथा वे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा सामान्य अर्हक मानक के आधार पर अनुशंसा के लिए योग्य पाए गए हैं को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए अनुशासित नहीं किया जाएगा।

(2) सेवा आर्बटन के समय, अनारक्षित रिक्तियों के लिए अनुशासित किए गए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवारों को सरकार द्वारा आरक्षित रिक्तियों के तहत समायोजित किया जा सकता है यदि इस प्रक्रिया के जरिये वे अपने अधिमान के क्रम में उच्चतर विकल्प की सेवा को प्राप्त करते हैं।

(3) इन नियमों के उपर्याधों के तहत अनारक्षित रिक्तियों के लिए नियुक्त हेतु उम्मीदवारों की किसी भी कमी को व्यान में रखते हुए तथा आरक्षित रिक्तियों के लिए उम्मीदवारों की किसी भी अधिकता के लिए आयोग अर्हक मानकों में और कमी कर सकता है। आयोग उप-नियम (4) एवं (5) में निर्धारित तरीकों से इस बारे में अनुशंसा कर सकता है।

(4) उम्मीदवारों की अनुशंसा करते समय, आयोग प्रथम दृष्टतया में सभी वर्गों में रिक्तियों की कुल संख्या का व्यान रखेगा। अनुशासित उम्मीदवारों की इस कुल संख्या में से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के डन उम्मीदवारों की संख्या को घटाया जाएगा जिन्होंने उप-नियम (1) के परन्तुक के शर्तों के अनुसार प्राप्त या चयन मानदंड में

किसी प्रकार की रियायत या छूट प्राप्त किए जिन सम्बन्धित आवधियों द्वारा अनुशासित उम्मीदवारों की इस सूची के साथ-साथ आयोग उम्मीदवारों की संयुक्त अपरिक्षित सूची जारी करेगा जिसमें प्रत्येक वर्गों के अनुरूप अंतिम अनुशासित उम्मीदवार के नाम से वोयता क्रम में ऐक किए गए सामान्य तथा आरक्षित वर्गों के उम्मीदवार शामिल होंगे। इस श्रेणी के उम्मीदवारों की संख्या आरक्षित श्रेणियों के उन उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होनी चाहिए उप-नियम (1) के परन्तु के अनुसार पहली सूची में पात्रता में वाच्यता भागदण्ड में जिन किसी छूट या रियायत के इन्हें किया गया। आरक्षित वर्गों में से, आपकित सूची में अनुशासित जाति, अनुसूचित जन-जाति, शिक्षित वर्गों के प्रत्येक उम्मीदवारों की संख्या प्रत्येक वर्गों में प्रारंभिक रूप से क्रम की गई रिक्तियों की क्रमिक संख्या के बराबर होगी।

(5) उप-नियम (4) में दिए गए प्रावधारों के अनुसार अनुशासित उम्मीदवारों को सरकार द्वारा वे संबंधित अधिकारियों की जाएगी जहाँ कुछ रिक्तियों को अभी भी भाग जाना जाता है। सरकार आरक्षित सूची में से योग्यता क्रम में प्रत्येक वर्ग में भरी जाने वाली रिक्तियों के प्रबोधन हेतु भाग की गई उम्मीदवारों की संख्या की अनुशंसा करते हुए आयोग को अधिकारियों को प्रेक्षित कर सकती है।

14. शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों हेतु अपरिक्षित रिक्तियों को भरने के लिए नियम 12, तथा 13 में विविधिए न्यूनतम अर्हक अंकों में आयोग अपने विवेक के छूट से सकता है :

बताते कि अहाँ एक शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों सामान्य, या अनुसूचित जाति, या अनुसूचित जन-जाति या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों को, के लिए अपेक्षित संख्या में अपनी योग्यता से न्यूनतम अर्हक को अंक प्राप्त कर से, तथा, शारीरिक रूप से विकलांग अतिरिक्त उम्मीदवारों को, अर्थात् उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से अधिक संख्या में उम्मीदवारों को, आयोग द्वारा शिखित मानदंडों के आधार पर अनुशासित नहीं किया जाएगा।

15. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाए उसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के संबंध में उनके साथ कर्तव्य पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

16. इन नियमों में उल्लिखित अन्य उपवधों के अधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पुर व्यायोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और इसके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न वर्गों के लिए बताई गई वरीयता के आधार पर विचार किया जाएगा।

17. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववृत्त के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति को लिए सर्वथा उपयुक्त है।

उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनियाव रोटेटिंग इंटर्नीशनल समाजसेवीक पूरी कर लेने के संबंध में नियुक्ति प्राप्तिकारी संतुष्ट हो।

18. उम्मीदवार को भ्रष्ट और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के कार्य में कार्य करने में वाक्षक सिद्ध हो जाए। नियोक्तार या नियुक्ति प्राप्तिकारी जैसी भी विविध दो द्वारा नियावित इन प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं को पूर्ण नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी।

उम्मीदवारों की शारीरिक/विकितसा परीक्षा से संबंधित विविध नियमावली के प्रतिलिपि-III में दिए गए हैं।

सभी उम्मीदवार जो परीक्षा के लिए भाग के आधार पर सामाजिक/व्यक्तिगत परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें सामान्यतः संबंधित उम्मीदवार की सामाजिक/व्यक्तिगत परीक्षण के द्वितीय तत्काल बाद अगले कार्य-दिवस को विकितसा/परीक्षा करवानी होगी (शनिवार, रविवार व अवकाश के दिनों में विकितसा परीक्षा नहीं होगी)। विकितसा परीक्षा का प्रबन्ध उम्मीदवार का वक्ता का एकसरे सहित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नियाव भवन, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा तथा संबंधित मंत्रालय द्वारा उम्मीदवार को इसकी सूचना दे दी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार को अपने स्वास्थ्य परीक्षा के बारे में कोई सूचना नहीं मिलती है तो उसे अकेना स्वास्थ्यकार व्यक्तिगत परीक्षण द्वारा द्वारा के तत्काल परिवार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में संबंधित अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना चाहिए। संबंधित उम्मीदवार को अपनी स्वास्थ्य परीक्षा के पूरा होने तक दिल्ली में ठहरा जाना इसलिए उम्मीदवारों को इस स्थान को अपरिवासिक परीक्षाकी औपचारिकता को पूरा करने के लिए दिल्ली में अपने रहने की व्यवस्था का प्रबन्ध कर लेना चाहिए। स्वास्थ्य परीक्षा के लिए नियावित की गई तारीख को किसी भी परिस्थिति में बढ़ावा/बदला नहीं जाएगा, इसके साथ-साथ स्वास्थ्य परीक्षा की अपेक्षागत विवेक को पूरा नहीं दिया जाएगा।

19. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों पर विचार किए जाने के लिए जल्दी, अप्रमाण चालीस प्रतिशत (40%) या उससे अधिक होनी चाहिए ताकि उनके विवेक विवेकों से नियावित शारीरिक अवैश्वामी/अमर्त्यामी में से एक या अधिक जो संबंधित सेवाओं/पदों में कार्यविनियोग होने आवश्यक है, पूरी करने की अपेक्षा की जाएगी।

## कोड

### शारीरिक अपेक्षाएं

(1)

एफ (F)

1. हस्तान्तरण (अनुसिंध्यों से) होने विधायिते किए जाने वाले कार्य।

पी पी (PP)

2. शारीरिक दृष्टि व्यवहार द्वारा किए जाने वाले कार्य।

एल (L)

3. डाकाकर किए जाने वाले कार्य।

के सी (KC)

4. घटने के बल बंजाराकर तथा अमर्त्यामी द्वारा किए जाने वाले कार्य।

(1)	(2)
बी (B)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य ।
एस (S)	6. बैठकर (बैंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य ।
एसटी (ST)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य ।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य ।
एस ई (SE)	9. देखकर किए जाने वाले कार्य ।
एच (H)	10. सुनकर/बोलकर किए जाने वाले कार्य ।
आर डब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य ।

संबंधित सेवाओं/पदों की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके मामलों में कार्यात्मक वर्गीकरण निम्नलिखित में से एक या अधिक होगा :—

कार्यात्मक वर्गीकरण

कोड	कार्य
बी एल (BL)	1. दोनों पैर खराब लेकिन भुजाएं नहीं ।
बी ए (BA)	2. दोनों भुजाएं खराब—क. दुर्बल पहुंच, ख. पकड़ की दुर्बलता ।
बी एल ए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं खराब ।
ओ एल (OL)	4. एक पैर खराब (दायां या बायां) क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता ग. ऐटेक्सिक ।
ओ ए (OA)	5. एक भुजा खराब (दाईं या बाईं) —वही-
बी एच (BH)	6. सख्त पीठ तथा कूलहे (बैठ या झुक नहीं सकते) ।
एम डब्ल्यू (MW)	7. माँसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक सहनशक्ति ।
बी (B)	8. नेत्रहीन ।
पी बी (PB)	9. आंशिक नेत्रहीन ।
डी (D)	10. बधिर ।
पी डी (PD)	11. आंशिक बधिर ।

## 20. कोई व्यक्ति :-

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जिसका पति या पत्नी जीवित है, वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में करार कर लेता है, या

(ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में करार कर लेता है,

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट है कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से संबद्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

21. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों में भर्ती की जानी है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-II में दिया गया है।

परिशिष्ट-१

परीक्षा की योजना

परीक्षा नियन्त्रित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

**भाग-I—लिखित परीक्षा**—(500 अंक) अध्ययनियों के लिए लिखित परीक्षा में दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए अधिकतम 250 अंक होंगे और प्रत्येक प्रश्नपत्र दो घन्टों की अवधि का होगा।

**भाग-II**—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका व्यक्तित्व परीक्षण 100 अंकों का होगा।

(क) लिखित परीक्षा : दोनों प्रश्नपत्रों के भाग और पाठ्यक्रम तथा दोनों प्रश्नपत्रों में विभिन्न भागों का परिमाण नीचे दिया गया है :—

(क) सामान्य योग्यता 30 प्रश्न

(ख) साधान्य आयविज्ञान

(ग) आलरोग विज्ञान 20 प्रश्न

प्रश्नपत्र में कुल प्रश्न 120 (30 सामान्य योग्यता, 70 सामान्य आयरिंजन तथा 20 बालरोग विज्ञान)

## प्रश्नपत्र-I का पाठ्यक्रम :

(क) सामान्य योग्यता :

- (i) भारतीय समाज, धरोहर (हेरिटेज) एवं संस्कृति, रज्यव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, मानव विकास सूचकांक तथा विकास कार्यक्रम;
- (ii) प्राकृतिक संसाधन, उनका वितरण, शोषण, संरक्षण तथा संवर्धन मुद्दे;
- (iii) पारिस्थितिकी और पर्यावरण की मूल संकल्पनाएं तथा स्वास्थ्य एवं अर्थव्यवस्था पर उनका प्रभाव;
- (iv) बदलती हुई जनांकीय प्रवृत्तियों का स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा समाज पर प्रभाव;
- (v) भारतीय कृषि उद्योग, व्यापार परिवहन तथा सेवा क्षेत्र;
- (vi) प्राकृतिक तथा मनुष्यकृत प्रकोप तथा उनका प्रबंधन;
- (vii) खाद्य पदार्थों में मिलावट, खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य वितरण, खाद्य भंडारण तथा लोक स्वास्थ्य में उनकी प्रासंगिकता;
- (viii) विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में अभिनव प्रवृत्तियाँ।

## (ख) सामान्य आयुर्विज्ञान

(सामान्य आयुर्विज्ञान जिसमें इन्द्रियों विज्ञान, तीव्रिका विज्ञान, तथा रोग विज्ञान तथा मनोरोग विज्ञान शामिल हैं)

- (i) इन्द्रिय रोग विज्ञान
- (ii) श्वसन रोग
- (iii) जठरांत्र
- (iv) जबन-मूर्चीय
- (v) तीव्रिका विज्ञान
- (vi) रुधिर रोग विज्ञान
- (vii) अंतस्त्राविकी
- (viii) चयापचयी विकार
- (ix) संक्रमण/संचारी रोग
- (x) विषाणुज
- (xi) सूखा रोग
- (xii) बीलाणुज
- (xiii) तरंगाणुज (स्पाईरोचीटल)
- (xiv) प्रोटोजोआ जनित
- (xv) उत्तर-जंतु (मेटाजोआन) जनित
- (xvi) कवक

(xvii) पोषण/वृद्धि	
(xviii) चर्म रोग (त्वचा रोग विज्ञान)	
(xix) पेशी कंकाल तंत्र	
(xx) मनोरोग विज्ञिता	
(xxi) सामान्य	
(ग) बाल रोग विज्ञान	
प्रश्नपत्र-II (खोड नं. 2)	अधिकतम अंक 250
(क) शाल्य विज्ञिता	40 प्रश्न
(ख) प्रसूति विज्ञान तथा स्त्री रोग विज्ञान	40 प्रश्न
(ग) निवारक सामाजिक तथा सामुदायिक आयुर्विज्ञान	40 प्रश्न

प्रश्नपत्र में कुल प्रश्न—120 (40 शाल्य विज्ञिता, 40 प्रसूति विज्ञान तथा स्त्री रोग विज्ञान, 40 निवारक तथा सामाजिक आयुर्विज्ञान)

प्रश्नपत्र-II का पाठ्यक्रम

## (क) शाल्य विज्ञिता

(शाल्य विज्ञिता जिसमें कान, नाक, गला, नेत्ररोग विज्ञान, अभिषात विज्ञान और अस्थिरोग विज्ञान शामिल)

## I. सामान्य शाल्य विज्ञिता

- (i) घाव
- (ii) संक्रमण
- (iii) अर्बुद
- (iv) लस वाहिका
- (v) रक्त वाहिका
- (vi) याढ़/शिरानाल
- (vii) सिर और गर्दन
- (viii) वक्ष
- (ix) पोषण नाल
- (x) ग्रासनली
- (xi) उदर
- (xii) आंत
- (xiii) मलद्वार
- (xiv) विकासाल्पक
- (xv) यकृत, पित्त, अग्न्याशय
- (xvi) तिल्सी
- (xvii) पर्युदर्या
- (xviii) उदरीय चिह्न
- (xix) उदरीय आत

## II. मूत्ररोग शाल्य विज्ञिता

## III. तीव्रिका शाल्य विज्ञिता

## IV. कान-नाक-गला विज्ञान

## V. वक्ष शाल्य विज्ञिता

## VI. अस्थिरोग शाल्य विज्ञिता

## VII. नेत्र रोग विज्ञान

## VIII. संबोद्धनाहरण विज्ञान

## IX. अभिषात विज्ञान

## (ख) प्रसूति विज्ञान तथा स्त्री रोग विज्ञान

## ए. प्रसूति विज्ञान

- (i) प्रसूत्यर्थ अवस्थाएं
- (ii) प्रसवकालीन अवस्थाएं
- (iii) प्रसवोत्तर अवस्थाएं
- (iv) सामान्य प्रसव या जटिल प्रसव का प्रबंधन

## स्त्री रोग विज्ञान

- (i) अनुप्रयुक्त शारीरिकी (शरीर रखना विज्ञान) के बारे में प्रश्न
- (ii) रजोधर्म तथा गर्भाधान के अनुप्रयुक्त क्रियाविज्ञान के बारे में प्रश्न
- (iii) जननांग पथ संक्रमण के बारे में प्रश्न
- (iv) जननांग पथ में नियोलामा के प्रश्न

### III. परिवार नियोजन

- (i) परम्परागत गर्भ निरोधक
- (ii) यू. डी. और खाने की गोलियाँ
- (iii) शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शल्य कर्म प्रक्रिया, बंध्यताकरण और कार्यक्रम आयोजन
- (iv) चिकित्सीय गर्भपत

#### (ग) निवारक सामाजिक तथा सामुदायिक आयुर्विज्ञान

- I. सामाजिक तथा सामुदायिक आयुर्विज्ञान
- II. स्वास्थ्य रोग और निवारक आयुर्विज्ञान की संकल्पना
- III. स्वास्थ्य प्रबंधन तथा योजना
- IV. सामान्य जानपादिक रोग विज्ञान
- V. जनांकिकी और स्वास्थ्य आंकड़े
- VI. संचारी रोग
- VII. पर्यावरणीय स्वास्थ्य
- VIII. पोषण तथा स्वास्थ्य
- IX. गैर-संचारी रोग
- X. व्यावसायिक स्वास्थ्य
- XI. आनुवंशिकी तथा स्वास्थ्य
- XII. अन्तर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य
- XIII. चिकित्सा समाजविज्ञान तथा स्वास्थ्य शिक्षा
- XIV. मातृत्व तथा बाल स्वास्थ्य
- XV. राष्ट्रीय कार्यक्रम

2. दोनों प्रश्नपत्रों की लिखित परीक्षा पूर्णतः वस्तुनिष्ठ (आयुर्विकल्प उत्तरों सहित) स्वरूप की होगी। प्रश्नपत्र केवल अंग्रेजी में ही तैयार किए जाएंगे।

3. अध्यर्थी को प्रश्नपत्र में स्वर्ण अपने हाथ से उत्तर लिखना होगा। उन्हें किसी भी दशा में उत्तर लिखने के लिए लिपिक की सहायता नहीं लेने दी जाएगी।

4. परीक्षा के किसी एक या दोनों प्रश्नपत्रों में अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग का विवेकाधिकार होगा।

#### 5. गलत उत्तरों के लिए दण्ड

वस्तुपरक प्रश्नपत्र में अध्यर्थी द्वारा गलत उत्तर अंकित किए जाने पर दंडस्वरूप छहग्रामात्पक अंक दिए जाएंगे।

(i) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प हैं। यदि एक प्रश्न का उत्तर अध्यर्थी द्वारा गलत दिया जाता है तो उस प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों में से एक तिहाई ( $0.33$ ) अंक दंड स्वरूप काट लिए जाएंगे।

(ii) यदि कोई अध्यर्थी एक से अधिक उत्तर देता है तो उसे गलत उत्तर माना जाएगा चाहे दिया गया उत्तर ठीक ही क्यों न हो तथा उस प्रश्न के लिए भी दंड यथोपरि ही होगा।

(iii) यदि कोई प्रश्न खाली छोड़ दिया जाता है अर्थात् अध्यर्थी उसका कोई उत्तर नहीं देता है तो उसे प्रश्न के लिए दंड नहीं दिया जाएगा।

6. वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नपत्रों में उत्तर देने के लिए उम्मीदवारों को कैलकुलेटर के प्रयोग की अनुमति नहीं है। अतः उनसे अपेक्षा है कि परीक्षा हॉल के अंदर कैलकुलेटर नहीं लाएं।

(ख) व्यक्तित्व परीक्षण—( 100 अंक )—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर सकते हैं उन्हें संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित साक्षात्कार व्यक्तित्व परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण 100 अंकों का होगा।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार को उम्मीदवार के सामान्य ज्ञान तथा उनके अपने शैक्षिक क्षेत्र में उनकी योग्यता को आंकने के लिए लिखित परीक्षा के पूरक के रूप में माना जाएगा इससे व्यक्तित्व परीक्षण के स्वरूप में अध्यर्थी की बौद्धिक जिज्ञासा, सामानेलन की महत्वपूर्ण योग्यता, निर्णय संतुलन, मानसिक सतर्कता, सामाजिक संशक्ति की योग्यता, चारित्रिक सत्यनिष्ठा, पहलशक्ति तथा नेतृत्व की क्षमता का आकलन भी किया जाएगा।

#### परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं :—

##### 1. रेलवे में सहायक प्रभागीय विधिकर्त्ता अधिकारी

(क) “ग्रुप” के में पद-पद का संशोधित वेतन—दांवा इस प्रकार है : 5400/- रु. के ग्रेड वेतन सहित 15,600—39,100/-रु. के पे बैण्ड-3 के अतिरिक्त समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार नॉन-प्रैक्टिस भत्ता। वर्तमान में, नॉन-प्रैक्टिस भत्ते की दर मूल वेतन का 25% है (अर्थात् पे बैण्ड तथा ग्रेड वेतन में वेतन का पूर्ण योग) बताते कि मूल वेतन तथा नॉन प्रैक्टिस भत्ते का योग 85,000/-रु. से अधिक न हो।”

(ख) उम्मीदवार को एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा जिसे सरकार द्वारा आवश्यक समझ जाने पर आगे बढ़ाया जा सकता है। परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरा होने पर उम्मीदवार भारतीय रेल विधिकर्त्ता सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में पुष्टि हेतु पात्र हो जाएंगे।

(ग) परिवीक्षा की अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति भारतीय रेल स्थापना कोड, खण्ड-1 के नियम 301(3) की शर्तों के अनुसार दोनों पक्षों में से किसी भी पक्ष की ओर से एक महीने का लिखित नोटिस देकर समाप्त की जा सकती है। किन्तु इस प्रकार के नोटिस की आवश्यकता संविधान के अनुच्छेद 311 के खण्ड (2) के उपबंधों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई के कारण सेवा से बखासिती या सेवा से हटाए जाने या मानसिक अथवा शारीरिक अशक्तता के कारण की जाने वाली अनिवार्य सेवानिवृति के मामलों में नहीं होगी।

(घ) उम्मीदवार को रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(इ) उम्मीदवार 1-1-2004 से लागू सरकार के आदेशानुसार अंशदायी पेंशन पद्धति द्वारा नियन्त्रित होगा ।

(ब) उम्मीदवार उम्हीं के स्तर के अन्य अधिकारियों पर समय-समय पर लागू छुट्टी के नियमों के अनुसार छुट्टी के हकदार होंगे ।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार सारणी निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा ।

(ज) उम्मीदवारों को परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, और यदि वह परीक्षा पास नहीं करता है तो उनकी सेवा समाप्त की जा सकती है ।

(झ) नियमानुसार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें कि प्रशिक्षण पर, व्यक्तित अवधि शामिल है :

परन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्णोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्णोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ज) संगणीय सेवा-जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर नियमावली 45 का रेलवे सेवा (पेंशन) नियम, 1993 में निर्धारित शर्त लागू होती है, के उस नियम में निहित उपबंधों के लाभ के पात्र होंगे ।

(ट) जो बातें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप से कही गई हैं, उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेल स्थापना संहिता और समय-समय पर परिशोधित/परिवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा ।

(ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टेशनों के सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानांतरित किया जा सकता है ।

(ड) “उच्चतर ग्रेडों से संबद्ध वेतनमान तथा भत्तों सहित पदोन्नति की संधावनाएं रेलवे चिकित्सा सेवा भर्ती नियमावली, 2000 तथा रेल मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों तथा अनुदेशों के प्रावधानों के अनुसार होगी ।”

(ढ) कर्तव्य और दायित्व ।

#### सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

- (1) वह प्रतीक्षित और अवस्थक होने पर भीतरी बाढ़ों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा ।
- (2) वह लागू नियमों के अनुसार उम्मीदवार और सेवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा ।

- (3) वह अपने अधिकारी क्षेत्र में परिवार निवास, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा ।
- (4) वह समान विक्रेताओं की जांच करेगा ।
- (5) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा ।
- (6) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो, करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और मांग-पत्र तैयार करेगा ।
- (7) वह सभी उपस्कर्णों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा ।

**टिप्पणी 1 :** जब सहा. प्र. चि. अ. किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्य और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं ।

**टिप्पणी 2 :** सहा. प्र. चि. अ. को समय-समय पर सौंपे गए अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे ।

#### II. रक्षा मंत्रालय व्यक्ति अन्तर्गत भारतीय आयुष्म कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद :—

- (क) पद ग्रुप ‘क’ में अस्थायी किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है । वेतनमान पे. बैंड के पी.बी. 3 में ₹. 15,600-39,100 के साथ ग्रेड पे. रु. 5,400 का वेतनमान देव होता तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रैविट्स बंदी भत्ता (प्र. बं. भ.) इस समय दर मूल वेतन का 25 प्रतिशत है ।
- (ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा । यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है । परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर अस्थायी किए जाने पर अस्थाई हैसियत से चलाया जाएगा ।
- (ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुष्म कारखाना, अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता है ।
- (घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैविट्स करना मना है ।
- (ङ) परिवीक्षा की अवधि में और इसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है । सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा ।
- (च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर भारतीय आयुष्म कारखाना स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2001 तथा सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों एवं अनुदेशों के अनुसार होगा ।

(छ) कार्यस्वरूप :—(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी :—  
 (i) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाड़ों/विभागों के अंतरंग रोगियों और औषधालय/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।  
 (ii) वे नियम के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।  
 (iii) वे सभी उपस्करणों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेंगे।  
 (iv) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।  
 (v) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।  
 (2) बी. डी. ओ. ग्रेड-सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी :—  
 (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक को निदेशक स्वा. से./अपर निदेशक स्वा. से./उप. नि. स्वा. से. को निदेश पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।  
 (ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनंदिनी कार्य में वह स्वा. से. नि./अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा./स्वा. स. ड. नि. द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।  
 (ग) समय-समय पर स्व. से. नि./अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा./स्वा. स. ड. नि. द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।  
 (घ) चिकित्सा भंडार और उपस्करण से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा. से. नि. की सहायता करेगा।  
 (ङ) नियमानुसार कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।  
 (च) वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी अन्तरंग बाड़ों, फैक्ट्री हैल्थ क्लिनिक, इस्टेट क्लीनिक, ओ. पी. डी. के रोगियों की देखभाल करेंगे तथा ऐसे अन्य कर्तव्य का पालन करेंगे जो उन्हें अस्पताल के प्रभारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे जाएंगे।  
 (3) उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा और प्रधान चिकित्सा अधिकारी :—  
 (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा. से. उप-निदेशक/स्वा. से. निदेशक/अपर स्वास्थ्य सेवा निदेशक के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उसकी सहायता करेगा।  
 (ख) प्र. चि. अ. वरिष्ठ-प्र. चि. अ. किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।

(ग) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशासन करते रहेंगे।  
 (घ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।  
 (ङ) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए कार्य भी करेंगे।  
 (च) प्रधान चिकित्सा अधिकारी अंतरंग बाड़ों, फैक्ट्री हैल्थ क्लिनिक, इस्टेट हैल्थ क्लिनिक, ओ. पी. डी. में काम करने के साथ-साथ ऐसे अन्य कार्य भी करेंगे जो उन्हें अस्पताल के प्रभारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे जाएंगे।  
 (4) अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं :—  
 (क) निदेशक, स्वास्थ्य सेवा अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा की कार्य करने में, उनके निदेशानुसार उनकी सहायता करेगा।  
 (ख) निदेशक स्वास्थ्य सेवा के हृदटी पर रहने या दौरे आदि पर जाने में उनकी अनुपस्थिति में डी. जी. ओ. अफ. के आदेशानुसार अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवा, निदेशक स्वास्थ्य सेवा के रूप में कार्य करेंगे।  
 (5) मुख्य चिकित्सा अधिकारी :—  
 (क) उस पर कारखाना स्वास्थ्य संगठन तथा परिवार कल्याण केन्द्र सहित विशेषज्ञता केन्द्रों वाले आयुध कारखाना अस्पतालों के प्रशासन का सम्पूर्ण उत्तरायित्व होगा।  
 (ख) महाप्रबंधक को चिकित्सा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य मामलों पर सलाह देता है।  
 (ग) चिकित्सा संस्थापनाओं के कार्यों की योजना बनाता है, कार्यों को सुव्यवस्थित कर मॉनीटर करता है तथा प्रगति की समीक्षा करता है।  
 (घ) उच्चाधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले आदेशों, अनुदेशों तथा विनियमों के अनुसार अस्पताल-सेवाओं को संगठित करता है।  
 (ङ) मरीजों, कारखानों, प्रबन्धकों, वैधानिक प्राधिकारियों तथा समुदाय की व्यक्त एवं अन्तर्निहित आवश्यकताओं और अपेक्षाओं, शिकायतों एवं सुझावों का पता लगाता है तथा जहां कहीं संभव हो, इनकी पूर्ति करने के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुव्यवस्थित करता है।  
 (च) यह सुनिश्चित करता है चिकित्सा संस्थापनाओं को आर्बेट सभी लंसाधनों का पूर्ण एवं श्रेष्ठतम उपयोग हो तथा कार्य-संचालन में मितव्ययता अपनाता है।  
 (छ) वह ऐसे अन्य कार्यों का निष्पादन करेंगे जो सरकारी आदेशों की संविधि के अंतर्गत निर्धारित किए गए अथवा डी. एच. एस. द्वारा उसे सौंपे गए हों।

## (6) निदेशक, स्वास्थ्य सेवा :—

(क) चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार-व्यावसायिक और प्राधिक समस्त मामलों में कारखाना भेहानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रण प्राधिकारी-कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का वह उपयोग करेगा।

(ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएं तैयार करेंगे।

(ग) नियंत्रण प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।

(घ) संघ लोक सेवा आयोग सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

(ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।

(च) वे स्वास्थ्य सेवा अपर-निदेशक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा के सभी एस. ए. ग्रेड जे. ए. जी. (एन. एफ. एस. जी.) और जे. ए. जी. (ओ. जी.) अधिकारियों की रिपोर्ट का परीक्षण करेंगे।

## III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कानिष्ठ वेतनमान के पद

(क) पद अस्थायी हैं किन्तु अनिश्चितकाल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तकी अवधि तक वे परिवेश के अधीन होंगे। वह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक से घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवेश की अवधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनको स्थायी बनाया जायेगा।

(ख) उम्मीदवार की केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्प्रिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औषधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बड़बाई, मेरठ आदि लक्ष्मीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, डाक-तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के चिकित्सा अधिकारी को पे. बैंड के पी.बी. 3 में रु. 15,600-39,100 के साथ ग्रेड पे. रु. 5,400 का वेतनमान देय होगा। और छठे

वेतन आयोग द्वारा सिफारिश 25% प्रैक्टिस बंदी भत्ता (एन.पी.ए.) देय होगा। अन्य भत्ते और प्रैन्टिंग के अवसर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 1996 के उपबंध तथा समय-समय पर जारी सरकार के आदेशों और नियंत्रणों के अनुसार दिए जाएंगे।

## IV. चिकित्सा अधिकारी, दिल्ली नगर निगम :—

(1) वर्ग 'क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथावृष्टि स्थायी हो सकता है। वेतनमान पे बैंड के पी.बी. 3 में रु. 15,600-39,100 के साथ ग्रेड पे. रु. 5,400 का वेतनमान देय होगा। तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित भत्ता (एन. पी. ए.)।

(2) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक परिवेशाधीन रहेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवेशाधीन अवधि के संतोषजनक समाप्ति पर वह तब तक अस्थायी पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्ति पर स्थायी नहीं किया जाता है।

(3) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पैसरी, मातृ और शिशु कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में की जा सकती है।

(4) किसी भी प्रकार निजी प्रैक्टिस करना भना है।

(5) परिवेशा तथा उसके बाद अस्थायी हैसियत से नियोजन अवधि के दौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार है।

उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की संभावनाएं जिनमें वेतनमान तथा भत्ते सम्मिलित हैं, भर्ती विनियमों के उपबंधों के अनुसार होंगे।

## V. नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् में समान्य द्वयूटी चिकित्सा अधिकारी

(क) पे. बैंड पी.बी.-3 में पद के वेतनमान में 15600-39100 रु. एवं 5400 रु. के ग्रेड वेतन (छठे केन्द्रीय वेतन आयोग) सहित समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिस निषेध भत्ता शामिल है।

(ख) समय-समय पर परिषद् में लागू किए गए ऐशन, उपदान, स्थायीकरण आदि से संबंधित साधारण नियम लागू होंगे।

(ग) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवेश पर रहेंगे जिसे सक्षम प्राधिकारी के विवेकाधीन पर बढ़ाया जा सकेगा। परिवेश अवधि के संतोषजनक रूप से पूर्ण होने पर वे स्थायी रिक्ति की पुष्टि होने तक अस्थायी हैसियत से कार्य करते रहेंगे।

(घ) उम्मीदवार नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के क्षेत्राधिकार के अधीन किसी भी अस्पताल/आषधालय/एम. एवं सी. तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों आदि में कहीं भी तैनात किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की निजी प्रैविट्स जो कुछ भी हो, प्रतिबंधित है।

(च) परिवीक्षा अवधि तथा उसके बाद की अवधि के दौरान जब आप अस्थाई हैंसियत से कार्यरत हों दोनों में से किसी पक्ष की एक महीने की सूचना नोटिस पर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् सूचना (नोटिस) के बदले में एक महीने के बेतन का अधिकार सुरक्षित रखता है।

(छ) सामान्य इयूटी मेडिकल आफिसर 15600-39100 रु. एवं ग्रेड पे 6600 रु. वाले पे बैण्ड-3 में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में तथा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी से 15600-39100 रु. एवं ग्रेड पे 7600 रु. वाले पे बैण्ड-3 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से 37400-67000 एवं 8700 रु. ग्रेड पे वाले पे बैण्ड-4 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (अकार्यात्मक चयन ग्रेड) तथा 37400-67000 एवं 10000 रु. ग्रेड पे वाले पे बैण्ड-4 में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड पर पदोन्नति के हकदार होंगे।

### परिशिष्ट-III

#### उम्मीदवारों की शारीरिक/चिकित्सा परीक्षा से संबंधित नियम

ये नियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए तथा उनके द्वारा अपेक्षित शारीरिक मानदण्डों पर पूरा उत्तरने की संभावना सुनिश्चित करने के लिए प्रकाशित किए जाते हैं। चिकित्सा परीक्षकों के लिए दिशा-निर्देश देने हेतु भी नियम विनिर्दिष्ट किए जाते हैं। सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा के आधार पर भरे जाने वाले सभी पद समूह "क" के अंतर्गत "तकनीकी" पद हैं :

2. (क) चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकार या स्वीकार करने संबंधी स्वयंवेक का पूर्णाधिकार भारत सरकार के पास आरक्षित है।

(ख) नियुक्ति के लिए "उपयुक्त" पाए जाने पर, उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ तथा उसमें किसी भी प्रकार का ऐसा शारीरिक दोष न हो जोकि उसकी नियुक्ति के बाद उसके कर्तव्यों के बेहतर निर्वहन में बाधक बने।

(ग) भारतीय (एंलो-इण्डियन सहित) उम्मीदवारों की आयु-सीमा, ऊँचाई, वजन और सीने की चौड़ाई में पारस्परिक संबंध हेतु एवं उम्मीदवारों की परीक्षा में उपयुक्त गाइड के रूप में शारीरिक सौष्ठुद्य क्या हो यह बात चिकित्सा बोर्ड पर निर्भर है। अन्यथा उपयुक्त पाए जाने पर धड़ और शारीरिक अंग अनुपात में होने चाहिए।

और कम से कम ऊँचाई पर बल नहीं देना है। ऊँचाई, वजन, सीने की चौड़ाई में यदि कोई अनुपात नहीं है तो बोर्ड द्वारा उम्मीदवार को उपयुक्त और अनुपयुक्त घोषित करने से पहले उम्मीदवार को जाँच के लिए अस्पताल में भर्ती होना चाहिए उसकी छाती का एक्सरे लिया जाना चाहिए।

#### 3. उम्मीदवार की ऊँचाई की नाप-तैल नियानुसार होगी

उसे अपने जूते खोलने पड़े और मानक पर दोनों पैर रखकर खड़ा होना होगा और अपनी एड़ी पर ही सारा वजन रखना होगा न कि पंजे या पैर के किसी अन्य भाग पर। वह टेढ़ा-मेढ़ा खड़ा न होकर सीधा खड़ा होगा तथा उसकी एड़ियां, पिंडलियां, निताब और कंधे मानक के साथ सटे हुए होंगे। टोड़ी को क्षेत्रिज रेखा के नीचे सिर के बराबर में लाकर दबाकर रखना होगा और ऊँचाई सेंटीमीटर और सेंटीमीटर के आधे भाग तक को भी नापते हुए दर्ज करनी होगी।

#### 4. उम्मीदवार के सीने की नाप नियानुसार होगी

उम्मीदवार को इस तरह खड़ा किया जाए कि उनके पैर जुड़े हों और उसकी भुजाएं उनके सिर के ऊपर उठी हुई हों। फीतों को छाती के धेरा पर इस तरह लगाया जाए कि उसका ऊपरी किनारा स्कन्थ फलक (शोल्डर ब्लॉड) के निम्न कोण (इनफीरियर एंगलिस) के पीछे को छूता हो तथा जब फीतों को धेर की ओर से जाया जाता है तो उम्मीदवार उसी क्षेत्रिज तल (हरिजेन्टल प्लेन) में रहे। तब दोनों बाहों को नीचे की तरफ ढीला छोड़कर लटका लें और इस बात पर ध्यान दिया जाएगा कि कंधे पीछे की तरफ या बाहर की तरफ न दृष्टि ताकि फीता न हिले। तब उम्मीदवार को निर्देश दिए जाएं कि वह कई बार गहरी सांस ले और सीने के अधिकतम फैलाव को ध्यानपूर्वक नोट किया जाए तथा न्यूनतम और अधिकतम (फैलाव) को सेंटीमीटर 84-89, 86-93.5 आदि में नोट किया जाए। नोट करते समय एक सेंटीमीटर के आधे से कम सेंटीमीटर के भाग को नोट नहीं किया जाना चाहिए।

#### कृपया ध्यान दें

उम्मीदवार की ऊँचाई और सीना की नाप अंतिम निर्णय लेने से पूर्व दो बार की जानी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी तोलना होगा और उसका/उसकी वजन किलोग्राम में तोलना होगा, एक किलोग्राम के आधे से कम के भाग को नोट नहीं किया जाना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की दृष्टि की जाँच निम्न नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जाँच का परिणाम नोट किया जाएगा।

#### (i) सामान्य

उम्मीदवार को आँखों की सामान्य जाँच हेतु निर्देशित किया जाएगा ताकि किसी भी बीमारी या असामान्यता का पता चल सके। उम्मीदवार को अस्वीकार कर दिया जाएगा यदि वह आँख (आँखों),

पलकों की या इसी तरह की किसी अन्य संक्रामक घोषणा से ग्रस्त हो, जो उसे अयोग्य या भविष्य में सेवा के अयोग्य कर दे।

### (ii) दृष्टि तीक्ष्णता :

दृष्टि की तीक्ष्णता के निर्धारण के लिए जाँच में से परीक्षण शामिल हैं—एक दूर दृष्टि तथा दूसरा निकट दृष्टि के लिए। प्रत्येक औंख की अलग-अलग जाँच की जाएगी।

### सेवा का फलनिरण

#### भारतीय रेल चिकित्सा सेवा (तकनीकी)

स्वास्थ्य औंख	सेवा का फलनिरण	स्वास्थ्य औंख (ठपचार के बाद दृष्टि)	रुग्ण औंख
1. दूर की दृष्टि	±4D 6/9 या 6/6 तक चश्मा लगाए या बिना चश्मा लगाए	±4 6/6 या 6/12 चश्मा लगाए या बिना चश्मा लगाए	6/6 या 6/9 6/12, 6/18 या शून्य
2. निकट की दृष्टि	±4D जे-1, चश्मा लगाए या बिना चश्मा लगाए	±4D जे-2 चश्मा लगाए या बिना चश्मा लगाए	जे-1, जे-2 जे-2, जे-3 या कुछ नहीं
3. उपचार के प्रकार की अनुमति	चश्मा, आई ओ एल/कोर्नियल शस्त्र क्रियाएं (लासिक, एक्साइमर शस्त्र क्रियाएं आदि) की अनुमति दी जा सकती है। दृष्टि स्थानी होनी चाहिए और अपेक्षित मानदण्ड के अनुसार होनी चाहिए। नेत्र बोर्ड को योग्यता स्पष्ट करनी होगी।		चश्मा, आई ओ एल, लासिक लेशर शस्त्र क्रियाएं
4. अपकर्तन दृष्टि की सीमाओं की अनुमति	±4.00 डी वे मामले, जहाँ लैंसों की फावर >-4 डी है, एक विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड को विकृति विज्ञान संबंधी निकट दृष्टि के नियमों के तहत मामले को स्पष्ट करना होगा।		फंडस सामान्य और बिना विकृति विज्ञान संबंधी निकट दृष्टि के हैं।
5. रंग दृष्टि अपेक्षाएं	उच्चतर श्रेणी रंग बोध (इशिहारा परीक्षण-ई जी एल-13 एम एम रन्ध्र)		कम श्रेणी की रंग दृष्टि स्वीकार्य है।
6. क्या द्विनेत्री दृष्टि आवश्यक है	धैरेपन के मामले में द्विनेत्री दृष्टि आवश्यक है। योग्य व्यक्तियों के मामले में नेत्र चिकित्सा बोर्ड को मामला दर मामला आधार पर मामले नियटाएं।		नहीं

(ख) नंगी औंख की दृष्टि की कोई सीमा नहीं है तथापि, उपचार की नंगी औंख की दृष्टि को हर मामले में चिकित्सा बोर्ड द्वारा अन्य चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा नोट किया जाएगा क्योंकि इससे औंख की दशा के संबंध में मूल सूचना मिलेगी।

(ग) विभिन्न उपचार की सेवाओं के लिए चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक नियन्त्रिति

(ब) (i) उपर्युक्त दर्शायी गई तकनीकी सेवाओं और सार्कजनिक सुरक्षा से संबंधित किसी अन्य सेवा के संबंध में, निकट दृष्टि (सिलेंडर सहित) का परिमाण -4.00 डी से अधिक न हो। हाइपरमैट्रेपिया (सिलेंडर सहित) का परिमाण +4.00 डी से अधिक न हो :

बशर्ते, रेल मंत्रालय के अंतर्गत सेवाओं के अलावा अन्य "तकनीकी" सेवाओं के संबंध में अध्यर्थी के मामले में, उच्च निकट दृष्टि के आधार पर अनुपर्युक्त पाया जाता है, तो मामला तीन नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजना होगा ताकि यह जाना जा सके कि यह निकट दृष्टि विकृति विज्ञान संबंधी है या नहीं। यदि यह विकृति विज्ञान संबंधी है तो उम्मीदवार को उपर्युक्त घोषित किया जाना चाहिए बशर्ते कि वह अन्य दृष्टि अपेक्षाओं को पूरा करता/करती हो।

(ii) निकट दृष्टि के प्रत्येक मामले में, फंडस जॉच की जानी चाहिए और परिणाम नोट कर लेना चाहिए। भैंजूदा रोग की स्थिति जिसके बढ़ने की संभावना हो और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डालें तो उसे अनुपर्युक्त घोषित कर दिया जाना चाहिए।

#### (छ) दृष्टि का क्षेत्र :

फिलान पद्धति (CONFRONTATION METHOD) द्वारा जॉच की जाने वाली सभी सेवाओं के संबंध में, दृष्टि के क्षेत्र की जॉच की जाएगी। जब ऐसे परीक्षणों से असंतोषजनक या संदेहपूर्ण परिणाम निकले, तो दृष्टि क्षेत्र पेरिमीटर द्वारा निश्चित किया जाना चाहिए।

#### (च) रत्नांशी :

फैटे तौर पर, रत्नांशी दो प्रकार की होती है : (i) विटामिन ए की कमी के परिणामस्वरूप और (ii) रेटिनाकॉर्मन की आरोनिक बीमारी के परिणामस्वरूप—रेटिनिटिस पिगमेन्ट्रोसा (i) में, फंडस सामान्य होता है। सामान्यतया युक्त वर्ग और कुपोषण ग्रस्त व्यक्तियों में होता है और विटामिन ए की अधिक मात्रा दिए जाने से लाभ होता है। अक्सर फण्डस पाए जाते हैं, और केवल फंडस की जॉच करने पर अधिकांश मामलों में स्थिति का पता चल जाएगा। इस श्रेणी के मरीज व्यस्क हैं और वे कुपोषण ग्रस्त न हों। (i) और (ii) दोनों के लिए डाक एडाप्टेशन परीक्षण से स्थिति का पता चल जाएगा।

#### (छ) रंग दृष्टि :

रंग दृष्टि की जॉच उपर्युक्त दर्शायी गई तकनीकी सेवाओं के संबंध में आवश्यक होगी।

नीचे की सारणी में दर्शाए गए अनुसार, चित्रदर्शी (लालटेन) में द्वारक की आकृति पर आधारित उच्च और निम्न वर्ग में रंग बोध को वर्गीकृत किया जाना चाहिए :—

वर्गीकरण (ग्रेड)	उच्च वर्ग रंग		निम्न वर्ग रंग	
	बोध	बोध	बोध	बोध
1	2	3	4	5
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट	16 फीट	16 फीट
2. द्वारक का आकार	1.3 मि. मी.	1.3 मि. मी.	1.3 मि. मी.	1.3 मि. मी.
3. उद्भाषण काल	5 सेकंड	5 सेकंड	5 सेकंड	5 सेकंड

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा के लिए, उच्चतर वर्ग रंग दृष्टि आवश्यक है लेकिन अन्य सेवाओं के लिए निम्न वर्ग रंग दृष्टि पर विचार करना ही पर्याप्त होगा।

संतोषजनक रंग दृष्टि से अभिप्राय लाल, हरे और पीले रंग के संकेतकों को आसानी से और बिना किसी हिचकिचाहट के पहचानना है। अच्छी रोशनी में प्रदर्शित इशिहारा की प्लेटें और इरिज ग्रीन लैंटर्न का उपयोग रंग दृष्टि की जॉच के लिए पूर्णरूपेण विश्वसनीय है। भारतीय रेल चिकित्सा सेवा के अलावा अन्य सेवाओं के संबंध में, दोनों परीक्षणों में केवल एक पर विचार करना ही उपर्युक्त होगा। आई आर एम एस के लिए लैंटर्न टैस्ट आवश्यक है। संदेहास्पद मामलों में, जहाँ उम्मीदवार एक टैस्ट पास करने में असफल रहते ह, दोनों ही परीक्षण किए जाने चाहिए। तथापि, भारतीय रेलवे चिकित्सा सेवा में नियुक्त हेतु उम्मीदवार की रंग दृष्टि की जॉच के लिए इशिहारा की प्लेटें और इरिज ग्रीन लैंटर्न दोनों का ही उपयोग किया जाना चाहिए।

#### (ज) दृष्टि सीध्यता के अलावा नेत्र स्थिति :

- कोई भी कायिक बीमारी या प्रभावी अपवर्तन त्रुटि, जिससे दृष्टि तीक्ष्णता में कमी होने की संभावना हो, को अयोग्यता माना जाना चाहिए।
- पैगापन—भारतीय रेलवे चिकित्सा सेवा हेतु, जहाँ द्विनेत्र दृष्टि आवश्यकता होती हो, प्रत्येक आँख की दृष्टि तीक्ष्णता निर्धारित मानदण्ड की होने पर भी, यदि कोई भैंगापन है तो उसे अयोग्यता माना जाना चाहिए। अन्य सेवाओं के लिए, यदि दृष्टि तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की हो तो भैंगापन अयोग्य नहीं माना जाना चाहिए।
- यदि किसी व्यक्ति की एक आँख है या उसकी एक आँख सामान्य दृष्टि वाली है दूसरी आँख मंददृष्टि वाली है या असामान्य दृष्टि वाली है, तो सामान्य प्रभाव यह है कि गहराई के दृष्टिकोण से उसकी स्टीरियोस्कोपिक दृष्टि में कमी है। ऐसी दृष्टि भारतीय रेलवे चिकित्सा सेवा के अलावा अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता नहीं है। चिकित्सा बोर्ड को उसे उपर्युक्त होने की सिफारिश करनी चाहिए, बशर्ते कि ऐसे व्यक्ति की सामान्य आँख निम्नानुसार हो :—

चश्मा के और बिना चश्मा के 6/6 दूर की दृष्टि, जे। पास की दृष्टि हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी भी शिरोविन्दु में कमी 4 डायोप्टर्स से अधिक न हो।

#### दृष्टि का पूरा क्षेत्र

सामान्य रंग दृष्टि जहाँ अपेक्षित हो :

बशर्ते कि बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार विशिष्ट कार्य से संबंधित सभी कार्य निष्पादित कर सकता है।

#### (iv) कॉन्ट्रेक्ट लैंस :

उम्मीदवारों के चिकित्सा परीक्षण के दौरान, कॉन्ट्रेक्ट लैंसों की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह आवश्यक है

कि औंखों का परीक्षण करते समय, दूर की दृष्टि के लिए टाइप किए गए अक्षरों की चमक 15 फुट की मोमबत्तियों की चमक में होती चाहिए।

#### विशेष नेत्र विज्ञान बोर्ड के लिए दिशा-निर्देश :

नेत्र परीक्षण के लिए विशेष नेत्र विज्ञान बोर्ड में 3 नेत्र विज्ञानी शामिल होंगे :—

- (क) उन मामलों में जहां चिकित्सा बोर्ड ने सम्पाद्य नियंत्रित सीमाओं के भीतर दृष्टि कार्यकलाप रिकार्ड किया है लेकिन यह संदेह है कि कोई ऐसा कार्यक्रम और बढ़ने वाला रोग है जो दृष्टि कार्यकलाप को नष्ट कर सकता हो तो उम्मीदवारों को प्रथम चिकित्सा बोर्ड के भाग के रूप में विशेष नेत्र विज्ञान बोर्ड की राय के लिए भेजना चाहिए।
- (ख) औंखों की शल्य क्रिया से संबंधित सभी प्रकार के मामले आई औ एल, रिफ्रेक्टिव कार्निएल शल्य चिकित्सा, रंग दोष से संबंधित सभी मामले विशेष नेत्र विज्ञान बोर्ड को भेजना चाहिए।
- (ग) ऐसे मामलों में, जहां किसी उम्मीदवारों में उच्च निकट दृष्टिया या उच्च हाइपर मेट्रोपिया पाया जाता है तो केन्द्रीय स्थाई चिकित्सा बोर्ड/राज्य चिकित्सा बोर्ड को चाहिए कि वह उम्मीदवार को शीघ्र ही अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा गठित तीन नेत्र विज्ञानियों के विशेष नेत्र विज्ञान बोर्ड के पास भेजे जिसमें विशेष नेत्र विज्ञान बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अस्पताल के नेत्र विज्ञान विभाग के विभागमध्यक्ष या वरिष्ठतम नेत्र विज्ञानी हो। नेत्र विज्ञानी/चिकित्सा अधिकारी जिसने प्रारंभ में, औंखों का परीक्षण किया है, विशेष बोर्ड का भाग नहीं हो सकता है।

विशेष बोर्ड द्वारा परीक्षण वरीयता उसी दिन किया जाना चाहिए। जब कभी केन्द्रीय स्थायी बोर्ड/राज्य चिकित्सा बोर्ड द्वारा तीन नेत्र विज्ञानियों का विशेष बोर्ड चिकित्सा परीक्षा के दिन बनाया जाना संभव न हो, तो विशेष बोर्ड शीघ्रातिशीघ्र संभाव्य तरीख को बनाया जाये।

विशेष नेत्र विज्ञान बोर्ड को अपने नियंत्रण पर पहुँचने से पूर्व विस्तृत जांच-परख कर लेना चाहिए।

चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट तब तक पूरी नहीं मानी जा सकती जब तक कि इसमें विशेष चिकित्सा बोर्ड को भेजे गए सभी मामलों से संबंधित रिपोर्ट शामिल नहीं कर ली जाती।

#### बांडर लाइन अनुपशुक्त मामलों पर रिपोर्ट देने के लिए दिशा-निर्देश :

अव-मानक दृष्टि तीक्ष्णता अवसामान्य रंग दृष्टि के बांडर लाइन मामलों में, व्यक्ति को अनुपशुक्त घोषित किए जाने से पूर्व बोर्ड 15 मिनट बाद युन: जांच करेगा।

#### 7. रक्त चाप :

बोर्ड रक्त चाप के संबंध में अपने विकेक का उपयोग कर सकेगा। सामान्य अधिकतम प्रकृत्यान (सिकुड़ना-फूलना) दबाव नापने का सामान्य तरीका निम्नानुसार है :—

- (i) 15-25 वर्ष आयु के बुवा लोगों के साथ, औसत 100 रक्त आयु है।
- (ii) 25 वर्ष के ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में रक्तदाव के अक्षरतम में 110 रक्त आयी आयु का समान्य नियम विष्वाल लंगेकलन के दिशार्थ पड़ता है।

**रक्तदाव व्याप्ति** में :—रक्तदाव नियम के रूप में 140 एम. एम. और ऊपर सिस्टमिक प्रेशर (दाढ़) और 90 एम. एम. के ऊपर डोमेस्टिक प्रेशर (दाढ़) को संप्रिष्ठ मान सेना चाहिए और उम्मीदवार को बोध या अव्योन्नत करने के लिए ये बोर्ड द्वारा अतिय रुच देवे से बदले जाएं कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से वह भी सदू समान्य चाहिए कि ऊपरका आदि के कारण रक्तदाव खोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यक्रम चाहिए है। ऐसे अधीक्षी मामले में इव्य का एक्सरे तथा विष्वाल इव्यलोडी (इलेक्ट्रो कार्डिओफ्रेशिफ) परीक्षा तथा रक्त नूरिया उत्सर्जन विशेष भी नेत्री तौर पर की जानी चाहिए। तथापि, उम्मीदवार के गोग्य होने या अव्योग्य होने के बारे में अतिय नियंत्रण चिकित्सा बोर्ड का होगा।

#### उत्सर्जन सेने वाले तरीकों :

नियमानुसार प्रस्तुत उत्सर्जनामी (मरकटी ऐनोमीट) नियम के ऊपरकरण का इस्तेमाल करना चाहिए। किसी प्रकार के व्यायाम या डोजेन के पार्ह मिनट के भीतर रक्तदाव की माप नहीं की जानी चाहिए। बताते हैं कि रोगी लेटा या बैठा हो और विशेषकर उत्सर्जनांतर शिथिल हो तथा बांह आरामदावक रियति में रोगी की तरफ योद्धी बहुत बैतिज स्थिति में हो। बांह से कंधा तक कम्फा डाशर दिया जाना चाहिए। कफ से हवा पूरी तरह निकाल कर रक्षा को मुजाहों के अंदरूनी हिस्से के ऊपर रखकर तथा उसके निचले किनारों को कोहनी के बोड से एक या दो इंच ऊपर लगाना चाहिए। इसके बाद कम्फा के पट्टी के छोर को कूपर से समान रूप से लपेटा जाएं। याकि वात्रधन (इनफ्रेशन) के दौरान उभार को रोका जा सके।

कोहनी के बोड पर धड़कन द्वारा प्रगण्ड धमनी (ब्रेकियल आर्टी) का यथा लगाया जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच (स्टेथोस्कोप) के इस्के से लगाया जाता है जिसका कफ के साथ संपर्क न हो। कफ में लगायग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भी जाती है तथा तब उनमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। जिस स्तर पर कौलम टिका होता और जब हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ी है वह अनुपशुक्त दबाव (सिस्टमिक प्रेशर) होता है। जब ज्वाद मात्रा में हवा निकालने दिया जाता है और ध्वनि सुनाई देती है और जिसके जनत्य में शृंखि होती है। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई देने वाली ध्वनियां हस्ती दबी हुई रुप हो जाएं तो यह अनुपशुक्त दबाव (डायस्टमिक प्रेशर) है। रक्तदाव की माप काफी योद्धी समयावधि में लेना चाहिए व्यक्तिक कफ के लंबे समय का दबाव रोगी के लिए ज्ञापकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होगी। बाद दौवारा जांच करनी जरूरी है तो कफ से हवा पूरी तरह निकालकर कुछ मिनट के प्राप्त ही ऐसा किया जाना चाहिए। कधी-कभी कफ से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर व्यक्तियों सुनाई पड़ती है, दब गिरने पर यह

गायब हो सकती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो सकती है। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. मूत्र (परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र त्वाग) की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जहां सामान्य रासायनिक परीक्षण द्वारा चिकित्सा बोर्ड को उम्मीदवार के भूत में शब्दकर का पता चलता है, बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा तथा मधुमेह के किसी चिह्नों या लक्षणों के सुझाव हेतु विशेष रूप से भी नोट करेगा। यदि शकरमेह (ग्लाइकोसरिया) के अलावा बोर्ड यह पाता है कि उम्मीदवार अपेक्षित चिकित्सा स्वास्थ्यता मानक को सुनिश्चित करता है तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ योग्य घोषित कर सकता है कि उम्मीदवार शकरमेह अमधुमेह है तथा बोर्ड इस मामले को किसी निर्दिष्ट चिकित्सा विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल तथा प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। चिकित्सा विशेषज्ञ मानक रखताशकरा टालरेन्स परीक्षण सहित जो भी आवश्यक समझे नैदानिक और/या प्रयोगशाला परीक्षा करेगा तथा अपनी राय चिकित्सा बोर्ड को भेजेगा, जिस पर चिकित्सा बोर्ड की अंतिम राय—“योग्य” या “अयोग्य” अधारित होगी। इस उद्देश्य के लिए, उम्मीदवार को दूसरे अवसर पर व्यक्तिगत तौर पर चिकित्सा बोर्ड के समक्ष उपस्थित नहीं होना पड़ेगा। औरधि के प्रभाव को कम करने

के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार को अस्पताल में सक्त पर्यवेक्षण में कई दिनों तक रखा जाए।

9. उन पदों पर नियुक्त जिनके लिए कोई विस्तृत प्रशिक्षण निर्धारित नहीं है :—यदि चिकित्सा परीक्षा के दौरान कोई महिला उम्मीदवार गर्भवती पाई जाती है तो उसके “अस्थायी रूप से अयोग्य” अधिक समय तक घोषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उन पदों पर नियुक्त जिनके लिए कोई विस्तृत प्रशिक्षण निर्धारित नहीं है अर्थात् उन्हें नौकरी पर सीधे नियुक्त किया जा सकता है।

10. विष्वालिखित अतिरिक्त विन्युओं का अनुपालन किया जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवारों के प्रत्येक कान से अच्छा सुनाई पड़ता हो तथा कान में किसी बीमारी के विहंगम हो। यदि उम्मीदवार के कान में खराबी हो तो उनका इलाज किसी कान, नाक एवं गला विशेषज्ञ से कराना चाहिए। बशर्ते कि यदि श्रवण की खराबी को शर्तक्रिया द्वारा या श्रवण यंत्र लगाकर उस खराबी को दूर किया जाए तो उम्मीदवार को अयोग्य घोषित नहीं किया जाना चाहिए बशर्ते कि उम्मीदवार के कान में कोई बहुत बाली बीमारी न हो। भारतीय रेलवे चिकित्सा सेवा के मामले में यह उपबंध लागू नहीं है। इस संबंध में चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त निम्नलिखित हैं :—

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा (तकनीकी)	भारतीय रेल चिकित्सा सेवा के अलावा अन्य सेवाएं (तकनीकी)
1. एक कान में प्रकट या पूर्ण बहरापन, दूसरे कान सामान्य	अयोग्य
2. दोनों कानों में बोधी बहरापन जिसमें श्रवण यंत्र द्वारा कुछ सुधार संभव है।	योग्य, 1000-4000 के स्वर आवृत्ति में यदि बहरापन 30 डेसीबल तक हो।
3. सेन्ट्रल या मार्जिनल टाईप के कर्णपटह (टिम्पेनिक मेस्क्रेन) छिद्र	(i) एक कान सामान्य, दूसरे कान में कर्णपटह (टिम्पेनिक मेस्क्रेन) छिद्र—“अस्थायी रूप से अयोग्य”। कर्ण शल्य चिकित्सा द्वारा स्थिति में सुधार के अंतर्गत दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किए जाने के लिए मौका दिया जाना चाहिए तथा उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (ii) के अंतर्गत विचार किया जा सकता है। (ii) दोनों कानों में मार्जिनल या अधिमध्यकर्ण (एटिक) छिद्र—“अयोग्य”। (iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र—“अस्थायी रूप से अयोग्य”।
4. कर्णमूल गुहा (मस्टायड कैविटी) सहित कान एक तरफ/दोनों तरफ अपसामान्य श्रवण	(i) एक कान से सामान्य श्रवण तथा दूसरे कान में कर्णमूल गुहा (मस्टायड कैविटी)—“योग्य”। (ii) दोनों तरफ कर्णमूल गुहा (मस्टायड कैविटी)—“अयोग्य”। (ii) दोनों तरफ कर्णमूल गुहा (मस्टायड कैविटी)—“अयोग्य”।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा (तकनीकी)	भारतीय रेल चिकित्सा सेवा के अलावा अन्य सेवाएं (तकनीकी)
5. लगातार बहते रहने वाला कान शास्त्र क्रिया सम्पन्न/शास्त्र क्रिया असम्पन्न ।	"अस्थायी रूप से अयोग्य" ।
6. नासापट (नेसल सेटम) की अस्थि विफूफ्ता सहित या रहित नाक की चिरकारी शोथ (क्रानिक इनफ्लेमेटरी/प्रब्लूज़ान्ट (ऐलजीक) अवस्था।	(i) अविक्तिगत मामलों की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा ।  (ii) यदि लक्षणों सहित नासापट (नेसल सेटम में विचलन विद्यमान हो "अस्थायी रूप से अयोग्य" ।
7. गलतुण्डका (टांसिल) और/या स्वरयंत्र (लैरिक्स) की चिरकारी शोथ (क्रानिक इनफ्लेमेटरी) अवस्था ।	(i) गलतुण्डका (टांसिल) और/या स्वरयंत्र (लैरिक्स) की चिरकारी शोथ (क्रानिक इनफ्लेमेटरी) अवस्था "योग्य"  (ii) यदि आवाज में बहुत अधिक मात्रा में स्वररक्षिता (हार्सनेस) मौजूद हो तो "अस्थायी रूप से अयोग्य" ।
8. कान, नाक एवं गला का सुदम्य या स्थानिक दुर्दम अर्बुद (द्यूमर)	(i) सुदम्य अर्बुद "अस्थायी रूप से अयोग्य" ।  (ii) दुर्दम अर्बुद—"अयोग्य" ।
9. कर्णाहन सम्पुट काटिन्य (ओटोस्कलोएसिस)	शास्त्र क्रिया के बाद या श्रवण यंत्र की भद्र से यदि श्रवण 30 डेसीबल के भीतर हो—"योग्य" ।
10. कान, नाक या गला का जन्मजात दोष	(i) यदि कार्य में बाधक न हो "योग्य" ।  (ii) बहुत अधिक मात्रा में हक्कलाइट "अयोग्य" ।
11. नासा/बहु (पॉली)	"अस्थायी रूप से अयोग्य" ।
(ख) उम्मीदवार बोलने में हक्कलाता/हक्कलाती नहीं हो; (ग) उम्मीदवार के दांत अच्छी हास्तत में हैं तथा जहां आवश्यक है चबाने के लिए वृद्धिम दंतावली लगी है (पूरे भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा); (घ) उम्मीदवार की छाती की बनावट अच्छी है और उसकी छाती का फैलाव अच्छी तरह है तथा उसका हृदय या फेफड़े ठीक है; (ङ) उम्मीदवार को पेट की छीमारी के कोई प्रमाण नहीं हैं; (च) उम्मीदवार के कर्णपटह में विद्वार (रञ्जर) नहीं है; (छ) उम्मीदवार हास्ट्रोसील, अपस्फीती शिरा (वेरीकोशिक्षण) बालासीर से पीड़ित नहीं है; (ज) उम्मीदवार के अंग, हाथ तथा पैर की बनावट अच्छी तथा विकसित है तथा सभी संधियाँ (जोड़) मुक्त तथा पूर्ण गतिशील हैं; (झ) उम्मीदवार को कोई चिरकालिक चर्म रोग नहीं है;	(अ) उम्मीदवार में जन्मजात कोई कुरचना या दोष नहीं है; (ट) उम्मीदवार में किसी तीव्र या चिरकालिक बीमारी के लक्षण नहीं हैं जो उसके कमज़ोर गठन को झंगित करते हों; (ठ) उम्मीदवार को किसी प्रकार के कारण टीके का निशान है। (ड) उम्मीदवार को किसी प्रकार का संचारी रोग नहीं है। 11. हृदय तथा फेफड़ों की किसी भी प्रकार की असामान्यताओं का याना लगाने के लिए सभी मामलों में छाती का रेडियोग्राफी परीक्षण त्रैमी हौर पर क्रिया जाना चाहिए, उन उम्मीदवारों को केवल साधारण शारीरिक परीक्षा के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए, जिन्हें सम्प्रिलित चिकित्सा परीक्षा के आधार पर अंतिम रूप से सफल घोषित किया गया है। उम्मीदवार की चिकित्सा अरोग्यता के बारे में केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड (संबोधित उम्मीदवार की चिकित्सा परीक्षा करने वाले) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

उम्मीदवार के स्नास्थ्य के बारे में संदेह होने के मामले में चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष उपयुक्त अस्पताल विशेषज्ञ से परामर्श करके यह निर्णय कर सकते हैं कि उम्मीदवार सरकारी सेवा के लिए योग्य या अयोग्य है अर्थात् यदि उम्मीदवार के विषय में यह संदेह व्यक्त किया जा रहा हो कि उम्मीदवार किसी प्रकार के मानसिक दोष या बुद्धिग्रंथ (एवरेशन) से पीड़ित है, बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल से मनोरोग विशेषज्ञ/मनोवैज्ञानिक, आदि से परामर्श कर सकता है।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य नोट करें तथा चिकित्सा परीक्षक को अपनी राय देनी चाहिए कि उम्मीदवार में अपेक्षित कार्य के दक्षतापूर्वक निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. चिकित्सा बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने के लिए उम्मीदवार को इस बारे में भारत सरकार द्वारा निर्धारित तरीकों द्वारा जो भी हो रु. 100 का अपील शुल्क जमा कराना होगा। उम्मीदवार को भेजे गए चिकित्सा बोर्ड के निर्णय की सूचना के 21 दिनों के भीतर अपील करनी चाहिए अन्यथा अपीलीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा दूसरों चिकित्सा परीक्षा के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। अपीलीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा केवल नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी तथा संबंधित चिकित्सा परीक्षा के लिए की गई यात्राओं के लिए कोई यात्रा या दैनिक भत्ता देय नहीं है।

शकुंतला डी. गैमलिन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 11th September, 2010

### RULES

No. A-12011/3/2010—CHS-I.—The rules for a Competitive Examination—Combined Medical Services Examination to be held by the Union Public Service Commission in 2011 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, the Municipal Corporation of Delhi and New Delhi Municipal Council, published for general information :—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.
- (ii) Assistant Medical Officer in Indian Ordnance Factories Health Service.
- (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service.
- (iv) Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi.
- (v) General Duty Medical Officer in New Delhi Municipal Council.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The date(s) on which and the place(s) at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of anyone or more of the services/posts mentioned above. A candidate who qualifies on the results of the written part of the examination will be required to indicate clearly in the detailed application form the services/posts for which he wishes to be considered in the order of preferences. The candidate is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointment.

#### N.B.

- (i) Candidate for the posts of Asstt. Divisional Medical Officer in the Railways will also be required to give his option in the Detailed Application form for Zonal Railways in order of preference. While making their allocation to the various Zonal Railways these preferences shall be taken into consideration but it does not mean that the candidate shall be allocated to one of these Zone of Railways only. As the service is meant to cover the entire country, a candidate is transferable to any Zone of the Indian Railways.
- (ii) No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in the detailed application form will be entertained by the Commission.

3. The number of vacancies to be filled on the basis of results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the Other Backward Classes and Physically disabled categories in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

#### 4. A candidate be either :

- (i) a Citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India; or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or East African Countries of Kenya, Uganda, The United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or from Vietnam with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to the examination but the

offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must not have attained the age of 32 years as on 1st January, 2011 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1979.

(b) The upper age-limit is relaxable as follows :

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
- (ii) up to a maximum of three years in the case of candidate belonging to Other Backward Classes who are eligible to reservation applicable to such candidates.
- (iii) up to a maximum of five years if a candidate has ordinarily been domiciled in the State of Jammu and Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.
- (v) up to a maximum of five years in the case of Ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 2011 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 2011 otherwise than by ways of dismissal or discharge on account of misconduct of inefficiency), or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (vi) up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 2011 and whose assignments has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil Employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (vii) up to a maximum of ten years in the case of blind, deaf-mute and orthopaedically handicapped candidates.
- (viii) The *ad hoc* Doctors appointed after 1-10-1984 in the Ministry of Railways will be granted relaxation in the age to the extent of the period

of service rendered by them as *ad hoc* Doctors in Railways in the light of the Supreme Court's orders dated the 24th September, 1987 on the Writ Petitions (Nos. 822, 875, 180 and 200 of 1987 with Nos. 370, 298 and 273 of 1987 with Nos. 1165, 1328, 1619, 1735, 1275, 1457, 1087, 1034, 1263, 1294, 1327, 1349, 1370, 1353, 1400, 1451, 1504, 1564, 1650 and 1609 of 1986 and with No. 845 of 1986) filed by some *ad hoc* Doctors of the Railways. The *ad hoc* Doctors claiming the relaxation in upper age limit under this provision should submit their application for admission to the examination through the Ministry of Railways who will certify that the applicants are covered by the orders of the Supreme Court.

**Note I**—Candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 5 (b) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons domiciled in the State of J & K, physically handicapped etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

**Note II**—The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

**Note III**—The age concession under Rule 5(b) and (vi) will not be admissible to Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs, who are released on their own requests.

**Note IV**—Notwithstanding the provision of age-relaxation under Rule 5(b)(vii) above, a physically handicapped candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe is found to satisfy the requirements of physical and medical standards for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically handicapped candidates by the Government.

#### SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The Expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this Part of the instructions include the alternative certificates mentioned above.

**Note 1 :**—Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/ Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

**Note 2 :**—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently for at any other Examination of the Commission on any ground whatsoever:

6. A candidate must have passed the written and practical part of the final M.B.B.S. Examination.

**Note 1 :**— A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the Detailed Application form which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

**Note 2 :**— A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission with holding permission to the candidates applying for/ appearing at the examination their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his/her eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Written Examination and Interview Test will be purely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) producing impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) being in possession of or using mobile phone, pager or any electronic equipment or device or any other equipment capable of being used as a communication device during the examination; or
- (xii) violating any of the instructions, issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xiii) attempting, to commit or as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :

- by the Commission from any examination or selection held by them.
- by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules :

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for an interview for a personality test :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (1) After interview the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in Examination. Thereafter, the Commission shall for the purpose of recommending candidates against unreserved vacancies, fix a qualifying mark (hereinafter referred to as general qualifying standard) with reference to the number of unreserved vacancies to be filled up on the basis of the Examination. For the purpose of recommending reserved category candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes against reserved vacancies, the Commission may relax the qualifying standard with reference to number of reserved vacancies to be filled up in each of these categories on the basis of the examination :

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or selection criteria, at any stage of the examination and who after taking into account the general qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission shall not be recommended against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes;

(2) While making service allocation the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes recommended against unreserved vacancies may be adjusted against reserved vacancies by the Government if by this process they get a service of higher choice in the order of their preference.

(3) The Commission may further lower the qualifying standards to take care of any shortfall of candidates for appointment against unreserved vacancies and any surplus of candidates against reserved vacancies arising out of the provisions of this rule, the Commission may make the recommendations in the manner prescribed in sub-rules (4) and (5).

(4) While recommending the candidates, the Commission shall in the first instance, take into account the total number of vacancies in all categories. This total number of recommended candidates shall be reduced by the number of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who acquire the merit at or above the fixed general qualifying standard without availing themselves of any concession or relaxation in the eligibility or selection criteria in terms of the proviso to sub-rule (1). Along with this list of recommended candidates the Commission shall also declare a consolidated reserve list of candidates which will include candidates from general and reserved categories ranking in order of merit below the last recommended candidate under each category. The number of candidates in each of these categories will be equal to the number of reserved category candidates who were included in the first list without availing of any relaxation or concession in eligibility or selection criteria as per proviso to sub-rule (1). Amongst the reserved categories, the number of candidates from each of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes categories in the reserve list will be equal to the respective number of vacancies reduced initially in each category.

(5) The candidates recommended in terms of the provisions of sub-rule (4), shall be allocated by the Government to the services and where certain vacancies still remain to be filled up, the Government may forward a requisition to the Commission requiring it to recommend, in order of merit from the reserve list, the same number of candidates as requisitioned for the purpose of the unfilled vacancies in each category.

14. The minimum qualifying marks as specified under rules 12 and 13 may be relaxable at the discretion of the Commission in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them :

Provided that where a physically handicapped candidate obtains the minimum qualifying marks on his own merit in the requisite number for General, or the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes category candidates, then, the extra physically handicapped candidates i.e. more than the

number of vacancies reserved for them shall not be recommended by the Commission on the relaxed standards.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the results.

16. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and preference expressed by them for various posts.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate with regard to his/her character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his/her having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defects likely to interfere with the discharge of his/her duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination, as Government or the appointing authority, as the case may be prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. The Regulations relating to Physical/ Medical Examination of candidates are given in Appendix-III to these Rules.

All candidates who qualify for interview/personality test on the basis of written part of the examination shall be required to undergo the medical examination normally on the next working day immediately after the day of interview/ personality test of the concerned candidate (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). Arrangements for the complete medical examination including X-Ray of chest of candidates will be made by the Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhawan, New Delhi and intimation in this regard shall be given by the Ministry to the concerned candidates. In case a candidate does not receive any intimation about the arrangements made for his/her Medical Examination before he/she leaves for his/her interview/personality test he/she should contact personally to the concerned authority in Ministry of Health and Family Welfare immediately after his/her interview/personality test is over. The concerned candidate may have to stay in Delhi until his/her Medical Examination is over, therefore the candidate should take this fact in consideration and make his/her own arrangements for stay in Delhi for the purpose of completion of Medical Examination formality. No extension postponement of the date fixed for the Medical Examination shall be allowed under any circumstances. Also no TA/ DA shall be admissible for the purpose of completion of

the formality of Medical Examination of the concerned candidate.

19. For being considered against the vacancies reserved for them the physically disabled persons should have disability of forty per cent (40%) or more. However, such candidates shall be required to meet one or more of the following physical requirements/abilities which may be necessary for performing the duties in the concerned Services/Posts.

## **CODE PHYSICAL REQUIREMENTS**

F	1. Work performed by manipulating (with fingers)
PP	2. Work performed by pulling and pushing
L	3. Work performed by lifting
KC	4. Work performed by kneeling and crouching
B	5. Work performed by bending
S	6. Work performed by sitting (on bench or chair)
ST	7. Work performed by standing
W	8. Work performed by walking
SE	9. Work performed by seeing
H	10. Work performed by hearing/speaking
RW	11. Work performed by reading and writing.

The functional classification in their case shall be one or more of the following consistent with the requirements of the concerned Services/Posts :

## **FUNCTIONAL CLASSIFICATION**

## CODE FUNCTIONS

- BL** 1. both legs affected but not arms.
- BA** 2. both arms affected—
  - a. impaired reach
  - b. weakness of grip
- BLA** 3. both legs and both arms affected.
- OL** 4. one leg affected
  - (R or L)-
    - a. impaired reach
    - b. weakness of grip
    - c. ataxic
- OA** 5. one arm affected
- BH** 6. stiff back and hips (cannot sit or stoop)
- MW** 7. muscular weakness and limited physical endurance.
- B** 8. the blind
- PB** 9. partially blind
- D** 10. the deaf
- PD** 11. partially deaf
  - 20. No person,—
    - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
    - (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

#### APPENDIX-I

#### SCHEME OF EXAMINATION

The examination shall be conducted according to the following plan :—

**Part-I WRITTEN EXAMINATION — (500 marks) —**

The candidates will take the written examination in two Papers, each Paper carrying a maximum of 250 marks. Each Paper will be of two hours duration.

**Part-II Personality Test carrying 100 marks of such of the candidates who qualify on the results of the written examination.**

(A) **Written Examination 1.—** The components and syllabus of the two Papers and the weightage to different components in the two papers are given below :

Paper I (Code No.1)                    Maximum Marks : 250

(a) General Ability	30 questions
(b) General Medicine	70 questions
(c) Paediatrics	20 questions

Total questions in Paper I = 120 (30 General Ability, 70 General Medicine and 20 Paediatrics).

#### Syllabus of Paper-I

(a) **General Ability**

- (i) Indian Society, Heritage and Culture, Polity, Economy, Human Development Indices and the Development Programmes;
- (ii) Natural Resources, their distribution, exploitation, conservation and related issues;
- (iii) Basic concepts of Ecology and Environment and their impact on health and economy;
- (iv) Impact of changing demographic trends on health, environment and society;
- (v) Indian Agriculture, Industry, Trade, Transportation and Service Sectors;
- (vi) Natural and man made disasters and their management;
- (vii) Food adulteration, Food processing, food distribution, food storage and their relevance to public health;
- (viii) Recent trends in Science and Technology.

(b) **General Medicine**

(General Medicine including Cardiology, Neurology, Dermatology and Psychiatry)

- (i) Cardiology
- (ii) Respiratory diseases
- (iii) Gastro-intestinal
- (iv) Genito-Urinary
- (v) Neurology
- (vi) Hematology
- (vii) Endocrinology
- (viii) Metabolic disorders
- (ix) Infections/Communicable Diseases :
  - (a) Virus
  - (b) Rickets
  - (c) Bacterial
  - (d) Spirochetal
  - (e) Protozoan
  - (f) Metazoan
  - (g) Fungus
- (x) Nutrition/Growth
- (xi) Diseases of the skin (Dermatology)
- (xii) Musculoskeletal System
- (xiii) Psychiatry
- (xiv) General

(c) **Paediatrics**

Paper II (Code No. 2)                    Maximum Marks: 250

(a) Surgery	40 questions
(b) Gynaecology & Obstetrics	40 questions
(c) Preventive & Social Medicine	40 questions

Total questions in Paper II = 120 (40 Surgery, 40 Gynaecology & Obstetrics and 40 Preventive and Social Medicine).

#### Syllabus of Paper-II

(a) **Surgery**

(Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics)

I.                    General Surgery

- (i) Wounds
- (ii) Infections
- (iii) Tumours
- (iv) Lymphatic
- (v) Blood vessels
- (vi) Cysts/sinuses
- (vii) Head and neck
- (viii) Breast

## (x) Alimentary tract :

- (a) Oesophagus
- (b) Stomach
- (c) Intestines
- (d) Anus
- (e) Developmental

(x) Liver, Bile, Pancreas

(xi) Spleen

(xii) Peritoneum

(xiii) Abdominal wall

(xiv) Abdominal injuries

**II. Urological Surgery****III. Neuro Surgery****IV. Otorhinolaryngology E.N.T.****V. Thoracic Surgery****VI. Orthopedic Surgery****VII. Ophthalmology****VIII. Anesthesiology****IX. Traumatology****(b) GYNAECOLOGY AND OBSTETRICS****I. OBSTETRICS**

- (i) Ante-natal conditions
- (ii) Intra-natal conditions
- (iii) Post-natal conditions
- (iv) Management of normal labours or complicated labour

**II. GYNAECOLOGY**

- (i) Questions on applied anatomy
- (ii) Questions on applied physiology of menstruation and fertilization
- (iii) Questions on infections in genital tract
- (iv) Questions on neoplasia in the genital tract
- (v) Questions on displacement of the uterus

**III. FAMILY PLANNING**

- (i) Conventional contraceptives
- (ii) U.D. and oral pills
- (iii) Operative procedure, sterilization and organization of programmes in the urban and rural surroundings
- (iv) Medical Termination of Pregnancy

**(c) PREVENTIVE SOCIAL AND COMMUNITY MEDICINE**

- I. Social and Community Medicine
- II. Concept of Health, Disease and Preventive Medicine
- III. Health Administration and Planning

**IV. General Epidemiology****V. Demography and Health Statistics****VI. Communicable Diseases****VII. Environmental Health****VIII. Nutrition and Health****IX. Non-communicable Diseases****X. Occupational Health****XI. Genetics and Health****XII. International Health****XIII. Medical Sociology and Health Education****XIV. Maternal and Child Health****XV. National Programmes**

2. The written examination in both the papers will be completely of objective (Multiple choice answer) type. The Question Papers (Test Booklets) will be set in English only.

3. Candidates must write the Papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or both the papers of the examination.

**5. Penalty for wrong answers**

There will be penalty (Negative Marking) for wrong answers marked by a candidate in the objective type question papers :

(i) There are four alternatives for the answers to every question. For each question for which a wrong answer has been given by the candidate, one third (0.33) of the marks assigned to that question will be deducted as penalty.

(ii) If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happens to be correct and there will be same penalty as above for that question.

(iii) If a question is left blank i.e. no answer is given by the candidate, there will be no penalty for that question.

6. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers. They should therefore, not bring the same inside the Examination Hall.

**(B) PERSONALITY TEST—(100 marks)**—Candidates who qualify in the written examination will be called for Interview/Personality Test to be conducted by the Union Public Service Commission. The Interview/Personality Test will carry 100 marks.

The Interview for Personality Test will be Intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General Knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidate's intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of

Judgment and alertness of mind, ability for social cohesion integrity of character, initiative and capability for leadership.

#### APPENDIX-II

Brief particulars relating to the services/posts to which recruitment is being made through this examination are given below :

##### I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways :

- (a) The post in Group 'A'.—The revised pay structure of the post is Pay Band-3 of Rs. 15,600-39,100 with Grade Pay Rs. 5,400 plus Non-Practising Allowance as per orders in force from time to time. The rate of Non-Practising Allowance at present is 25% of Basic Pay (i.e. aggregate of Pay in Pay Band and Grade Pay) subject to the condition that the Basic Pay plus Non-Practising Allowance does not exceed Rs. 85,000.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules and others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

- (b) A candidate will be appointed on probation for a period of one year which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probation candidates will be eligible for confirmation in the junior scale of the Indian Railway Medical Service.

- (c) The appointment of probationers can be terminated by one month's notice in writing on either side during the period of probation in terms of Rule 301(3) of the Indian Railway Establishment Code, Volume- I.

Such notice is not however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of Clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity.

- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

- (e) A candidate will be governed by the "Contributory Pension System" effective from 01-01-2004 as per orders of the Government.

- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from

time to time and applicable to officers of his status.

- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the rules in force from time to time.
- (h) A candidate will be required to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation and failure to do so shall involve liability to termination of service.
- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :

- (a) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment.
- (b) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

- (j) Reckoning Service: The Persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 45 of Railway Service (Pension) Rules, 1993 are applicable shall be eligible to the benefit of the provisions contained in the rule.

- (k) A candidate will be governed in respect of matters specifically referred to above as well as other matter by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.

- (l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at way side Stations, ADMOs are also liable to transfer to any Railway.

- (m) Prospects of promotion including pay scale and allowances attached to the higher grades will be as per the provisions of Railway Medical Service Recruitment Rules, 2000 and the orders and instructions issued by the Ministry of Railways from time to time.

- (n) Duties and Responsibilities :

##### Assistant Divisional Medical Officers :

- (i) He will attend the indoor wards, and out patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.

3579 90)10-4

- (iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to him specially if any and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep of equipments in his charge.

**NOTE 1:**—When an ADMOs is posted at the Headquarter of a division under the charge of Divisional Medical Officer he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

**NOTE 2:**—ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

**II. Post of Assistant Medical Officer in the Indian Ordnance Factories Health Service under the Ministry of Defence :**

- (a) The Posts are temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is in the Pay Band PB-3 of Rs. 15,600—39,100 with Grade Pay of Rs. 5400, plus non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rate at present is 25% of basic pay.
- (b) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the Competent Authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted anywhere in India in anyone of the Ordnance Factory, Hospitals or Dispensaries.
- (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (f) Prospects of promotion including pay scale and allowances attach to the higher grades will be as per the provisions of IOFHS Rules, 2001 and the Orders and Instructions issued by the Govt. from time to time.

- (g) **Nature of Duties.**—(1) Assistant Medical Officer :
  - (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients/dispensaries/out-patient departments daily and as required.
  - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulation in force.
  - (iii) They will maintain the upkeep of equipments in their charge.
  - (iv) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
  - (v) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.
- (2) Assistant Director Health Services and Senior Medical Officer :
  - (a) ADHS posted at the Hrs. will assist the DHS/Addl. DHS/DDHS in discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
  - (b) He will assist the DHS/Addl. DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
  - (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/Addl. DHS/ DDHS from time to time.
  - (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores and Equipments.
  - (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
  - (f) SMOs will attend indoor Wards, Factory Health Clinic, Estate Clinic, OPD and will be required to perform such other duties and may be assigned by PMO and SMO incharge of the Hospital.
- (3) Dy. Director, Health Services and Principal Medical Officer :
  - (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/Addl. DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
  - (b) PMO-Senior-PMOs will be M.O. incharge of factory, hospitals and the Medical Estt. there.
  - (c) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of FYs. on all medical matters

and make recommendation as considered necessary.

(d) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.

(e) They will perform such other duties as may be laid down under any statute of Government orders or delegated to him by the DHS.

(f) Principal Medical Officers will attend indoor Wards Factory Health Clinic, Estate Health Clinic OPD and will be required to perform such other duties as may be assigned by PMO incharge of the Hospital.

(4) Additional Director Health Services :

(a) Addl. DHS will assist the DHS in discharge of the latter's duties in the matter as directed by him.

(b) He will act as DHS under order of DGOF in latter's absence on leave, tour etc.

(5) Chief Medical Officer :

(a) He/She will have overall responsibility administration of Ord. Fy. Hospitals having specialist centres, including Factory Health Organization and Family Welfare Centre.

(b) Advice General Manager on medical, health, hygiene and occupational health matters.

(c) Plan, Organize and monitor the work of the medical establishments and review progress.

(d) Organize hospital services in accordance with the orders, instructions and regulations issued from time to time by higher authorities.

(e) As certain the expressed and implied needs and expectations, grievances and suggestions of patients, factory management, statutory authorities and community and organize the health services to meet them wherever possible.

(f) Ensure that all the resources allotted to the medical establishments are fully and optimally utilized and economy is observed in the functioning.

(g) They will perform such other duties as may be laid down under any statute of Government orders or delegated to him by DHS.

(6) Director Health Services :

(a) Medical Adviser to DGOF on all medical and health matters. Controlling Authority of the Medical Establishment in DGOF organisation on all professional and technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.

(b) He will work out the plans for implementation of the reports/recommendations accepted by the Government.

(c) As the controlling Authority he will distribute the personnel according to the requirement of factories.

(d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.

(e) He will normally once a year make or cause to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation thereon all matters connected with Medical Estt.

(f) He will initiate ACR of Addl. DHS and will review the reports of all SA grade, JAG (NFSG) & JAG (OG) officers of IOFHS.

#### **III. Junior Scale Posts in the Central Health Service :**

(a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the Competent Authority. They will be confirmed after the satisfactory completion of probation.

(b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Mumbai, Meerut etc. Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands. P & T Department etc. Private Practice of any kind whatsoever including Lab. and consultant practice is prohibited.

(c) The scale of pay admissible to the Medical Officer of CHS is in the Pay Band PB-3 of Rs. 15,600-39,100 with Grade Pay of Rs. 5400 and 25% NPA as per recommendation of the Sixth Pay Commission, and the promotional avenues will be available as per the provision of CHS Rules, 1996 and the orders and instructions issued by the Government from time to time.

#### **IV. Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi :**

(i) The posts are temporary in category 'A' but likely to be made permanent in due course.

The scale of pay is in the Pay Band PB-3 of Rs. 15,600-39,100 with Grade Pay of Rs. 5400 plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time.

(ii) The candidate will be on probation for a period of one year from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(iii) The candidate can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in anyone of the Hospital/ Dispensaries/M & CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc.

(iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one month's pay in lieu of notice. Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provision of the Recruitment Regulations.

**V. General duty Medical Officer in the New Delhi Municipal Council :**

(a) The scale of post is in the Pay Band PB-3 of Rs. 15600-39100 with Grade Pay of Rs. 5400 (VIth CPC) plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time.

(b) Ordinary rules regarding pension, gratuity, confirmation etc. as enforced in the Council from time to time will be applicable.

(c) The candidate will be on probation for a period of two years from the date of appointment which may be extended at the discretion the competent authority. On satisfactory completion of the probation period will continue in the temporary capacity till confirmed against the permanent vacancy.

(d) The candidate can be posted anywhere within the jurisdiction of the N.D.M.C. in any of the hospitals/dispensaries/M & C & family welfare Centres/Primary Health Centres etc.

(e) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(f) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter, while employed in temporary capacity, NDMC reserves the right to one month's pay in lieu of notice.

(g) GDMO shall be entitled for promotion as Senior Medical Officer in the Pay Band-3 of Rs. 15600-39100 + Grade Pay Rs. 6600 and from Senior Medical Officer to Chief Medical Officer in the Pay Band-3 of Rs. 15600-39100 + Grade pay of Rs. 7600 and from Chief Medical Officer to Chief Medical Officer (Non-functional Selection Grade) in the Pay Band-4 of Rs. 37400-67000 + Grade Pay of rs. 8700 and Senior Administrative Grade Pay Band-4 of Rs. 37400-67000 + Grade Pay of Rs. 10000.

**APPENDIX-III**

**REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL/ MEDICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

The regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their possessing the required physical standards. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners. All posts to be filled on the basis of Combined Medical Services Examination are Group 'A' "Technical" posts.

2. (a) The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

(b) To be passed as "fit" for appointment, a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his/her appointment.

(c) In the matter of co-relation of age-limit, height, weight and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian race), it is left to the Medical Board to use whatever co-relation of figure is considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. Trunk and limbs should be proportionate, no minimum height be insisted upon, if found fit otherwise. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalized for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or unfit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He/She will remove his/her shoes and be placed against the standard with his/her feet together and the weight thrown on the heels and not on the toe or other sides of the feet. He/She will stand erect without rigidity and with heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimeters and parts of a centimeter to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He/She will be made to stand erect with his/her feet together and to raise arms over his/her head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape the candidate will then be directed to take a deep respiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84–89, 86–93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

**N.B.—**The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his/her weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :

(i) **General.**—The candidate will be directed to a general examination to the detection of any disease or abnormality of his eyes. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye(s), eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely to render him/her unfit for service on a future date.

(ii) **Visual Acuity.**—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant and the other for near vision. Each eye will be examined separately.

(b) There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of services :

#### Class of Service

Indian Railway Medical Services (Technical)				Services other than IRMS (Technical)	
	Better eye	Worse eye		Better eye (corrected vision)	Worse eye
1	2	3	4	5	6
1. Distant Vision	With or without glasses up to ±4D 6/9 or 6/6	With or without glasses up to ±4D 6/9 or 6/12		6/6 or 6/9	6/12, 6/18 or Nil
2. Near Vision	With or without glass up to +4D J1	With or without glass up to ±4D J2		J1 J2	J2, J3 or Nil
3. Type of correction permitted	Spectacles, IOL/corneal surgeries viz. (LASIK, excimer surgeries etc.) may be permitted. Vision should be stable and should come up to the required standard. Ophthalmic Board to clear fitness.				Spectacles, IOL, LASIK laser surgery

1	2	3	4	5	6
4. Limits of refractive error permitted	±4.00D	In case where power of lens is >−4D, a special ophthalmic Medical Board to clear the case ruling out pathological myopia		Fundus is normal and without pathological Myopia	
5. Colour vision requirements	Higher grade colour perception (Ishihara test EGL—1.3mm aperture)			Low Grade colour vision is acceptable.	
6. Whether binocular vision needed ?	Binocular vision is necessary in case of squint. In deserving cases, a special Ophthalmic Medical Board to clear cases on case-to-case basis.			No	

(d)(i) In respect of the Technical Services mentioned above and any other service concerned with the safety of public the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed −4.00 D total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D :

Provided that in case a candidate in respect of the "Technical" services other than the services under the Ministry of Railways is found unfit on ground of high myopia, the matter shall be referred to a Special Board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not in case it is not pathological, the candidate shall be declared fit provided he/she fulfils the visual requirements otherwise.

(ii) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) **Field of Vision** : The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) **Night Blindness**: Broadly there are two types of night blindness: (i) as a result of Vitamin A deficiency and (ii) as a result of Organic disease of Retina-common cause being *Retinitis Pigmentosa*. In (i) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vitamin A. In (ii) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. For both (i) and (ii) dark adaptation test will reveal the condition.

(g) **Colour Vision** : The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned above.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the

lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade Colour Perception	Lower Grade Colour Perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16ft	16 ft
2. Size of aperture	1.3 mm	1.3 mm
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds

For Indian Railway Medical Service Higher Grade colour vision is essential but for other services lower grade colour vision will be considered sufficient.

Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signals red, green and yellow colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable Edridge Green's Lantern shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of the services other than IRMS, it is essential to carry out the lantern test for IRMS. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed. However, both the Ishihara's plates and Edridge Green's Lantern shall be used for testing colour vision of the candidates for appointment to the Indian Railway Medical Service.

- (h) **Ocular condition other than visual acuity :**
  - (i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering visual acuity, should be considered a disqualification.
  - (ii) Squint: For Indian Railway Medical Service where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the vision acuity in each eye is of the prescribed standard, should be considered a disqualification. For other services, the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.
  - (iii) If a person has one eye or if he has one eye

which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision the usual effect is that the person is lacking stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not a disqualification for services other than IRMS. The Medical Board may recommend as fit, such persons :—

Provided the normal eye has 6/6 distant vision. J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

full field of vision.

normal colour vision wherever required :

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all functions for the particular job in question.

(iv) **Contact Lenses:** During the Medical Examination of the candidates, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests the illumination of the typed letters for distant vision should have an illumination of 1.5 foot candles.

#### **GUIDELINES FOR SPECIAL OPHTHALMIC BOARD**

Special Ophthalmic Board for eye examination shall consist of 3 ophthalmologists :

- (a) Cases where the Medical Board has recorded visual function within normal prescribed limits but suspects a disease of progressive and organic nature which is likely to cause damage to the visual function should refer the candidates to a Special Ophthalmic Board for opinion as part of the first Medical Board.
- (b) All cases of any type of surgery on eyes, IOL, refractive corneal surgery, doubtful cases of colour defect should be referred to special ophthalmic board.
- (c) In such cases where a candidate is found to be having high myopia or high hypermetropia the Central Standing Medical Board/State Medical Board should immediately refer the candidates for a Special Board of three Ophthalmologists constituted by the Medical Superintendent of the hospital with the Head of the Department of Ophthalmology of the Hospital or the Seniormost Ophthalmologist as the Chairman of the Special Ophthalmic Board. The Ophthalmologist/Medical Officer who has conducted the preliminary ophthalmic examination cannot be a part of the Special Board.

The examination by the Special Board should preferably be done on the same day. Whenever it is not possible to convene the Special Board of three Ophthalmologists on the day of the medical examination

by the Central Standing Medical Board/State Medical Board, the Special Board may be convened at an earliest possible date.

The Special Ophthalmic Board may carry out detailed investigations before arriving at their decision.

The Medical Board's report may not be deemed as complete unless it includes the report of the Special Medical Board for all such cases which are referred to it.

#### **GUIDELINE FOR REPORTING ON BORDER LINE UNFIT CASES**

In border line cases of substandard visual acuity, subnormal colour vision, the test will be repeated after 15 minutes by the Board before declaring a person unfit.

**7. Blood Pressure :** The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :

- (i) with young subjects of 15–25 years of age, the average is about 100 plus the age.
- (ii) with subjects over 25 years of age, the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

**N.B.—** As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

**Method of taking Blood Pressure:**— The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his/her arm is relaxed, he may be either lying or sitting and the arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the cloth to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following returns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic

**Pressure.** When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the reading. Rechecking if necessary should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. Sometimes as the cuff is deflated sounds heard at a certain level may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This silent gap may cause error in readings.

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note down any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidates as fit, subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified Specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his/her disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and/or laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his/her opinion

to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". For this purpose the candidates will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effect of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. For appointment against posts which do not prescribe any elaborate training : It shall no longer be necessary to declare a woman candidate as "Temporarily Unfit if she is found to be pregnant during medical examination before appointment against posts which do not prescribe any elaborate training, i.e., she can be appointed straightway on the job.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by an ENT Specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of IRMS. The following are the guidelines for the medical examination authority in this regard :

	Indian Railway Medical Services (Technical)	Services other than IRMS (Technical)
1. Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Unfit	Fit, if the deafness is up to 30 decibel in higher frequency.
2. Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit, if the deafness is up to 30 decibel in speech frequencies of 1000—4000.	Fit, if the deafness is up to 30 decibel in speech frequencies of 1000—4000.
3. Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.	(i) One year normal, other ear having perforation of tympanic membrane—"Temporary Unfit". Under improved conditions of Ear Surgery, a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears—"Unfit". (iii) Central perforation in both ears—"Temporarily unfit".	(i) One year normal, other ear having perforation of tympanic membrane—"Temporary Unfit". Under improved conditions of Ear Surgery, a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
4. Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing and other ear with mastoid cavity—"Fit". (ii) Mastoid cavity of both sides—"Unfit".	(ii) Marginal or attic perforation in both ears—"Unfit". (iii) Central perforation in both ears—"Temporarily unfit". (i) Either ear normal hearing and other ear with mastoid cavity—"Fit".
5. Persistently discharging ear operated/unoperated.	"Temporarily Unfit".	(ii) Mastoid cavity of both sides—"Unfit".  "Temporarily Unfit".

	Indian Railway Medical Services (Technical)	Services other than IRMS (Technical)
6. Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal Septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.  (ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms—'Temporarily Unfit'.  (i) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—'Fit'.  (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then 'Temporarily unfit'.  (i) Benign tumours 'Temporarily unfit'.  (ii) Malignant Tumour—'unfit'. If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—'Fit'.  (i) If not interfering with functions—'Fit'.  (ii) Stuttering of severe degree—'Unfit'.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.  (ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms—'Temporarily Unfit'.  (i) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—'Fit'.  (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then 'Temporarily unfit'.  (i) Benign tumours 'Temporarily unfit'.  (ii) Malignant Tumour—'unfit'. If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—'Fit'.  (i) If not interfering with functions—'Fit'.  'Temporarily Unfit'.
7. Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.		
8. Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.		
9. Otosclerosis		
10. Congenital defects of ear, nose or throat.		
11. Nasal/Poly		
	<ul style="list-style-type: none"> <li>(b) that his/her speech is without impediment;</li> <li>(c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);</li> <li>(d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that the hearts and lungs are sound;</li> <li>(e) that there is no evidence of any abdominal disease;</li> <li>(f) that the ear-drum is not ruptured;</li> <li>(g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;</li> <li>(h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;</li> <li>(i) that he/she does not suffer from any inveterate skin disease;</li> <li>(j) that there is no congenital malformation or defect;</li> <li>(k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;</li> <li>(l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and</li> <li>(m) that he/she is free from communicable disease.</li> </ul>	<p>who are declared finally successful in Combined Medical Services Examination.</p> <p>The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the candidate concerned) about the fitness of the candidate shall be final.</p> <p>In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.</p> <p>When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his/her opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties, which will be required of the candidate.</p> <p>12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 100.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise request for second Medical Examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The Medical Examination by the Appellate Medical Board would be arranged in New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the Medical Examination.</p>

SHAKUNTALA D. GAMLIN, Jt. Secy.